तुम्हारा समय सीमित है इसलिए किसी और की जिन्दगी जी कर इसे व्यर्थ न करों।
—स्टीव जॉब्स

एनसीआर समाचार के साथ जुड़ने एवं सदस्यता के लिए लॉगिन करें www.ncrsamacharlive.in

NCR समाचार

BY C.R.O. TEAM

RNI NO. DELHIN/2010/37009

इस्माईल खान

वर्ष 11 अंक 45 रविवार 01-07 अगस्त 2021, विक्रम संवत् 2078 श्रावण, कृष्ण पक्ष 5 रुपये प्रति/वर्षिक शुल्क 250 पृष्ठ 12 दिल्ली.NCR का नम्बर 1 साप्ताहिक समाचार-पत्र

संगम विहार क्षेत्र में जमीनों की रजिस्ट्री के नाम पर की जा रही जनता के साथ खुली लूट

हाईटेंशन तारों की नीचे के मकानों की भी रजिस्ट्री करवाने का झांसा

नई दिल्ली (एनसीआर संवाददाता)। पिछले दिनों नई दिल्ली संगम विहार में मकान की रजिस्ट्री मतलब आपके मकान को डीडीए द्वारा पंजीकृत कर दिया जायेगा और आपके मकान को कभी भी सरकार नहीं तोड़ सकती का भय दिखाकर अवैध वसूली की जा रही है।

इस संबंध में जब संगम विहार में सर्वे कर रहे दो कर्मचारी ने महिलाओ के साथ बदसलूकी की, तो हंगामा हो गया। एनसीआर समाचार के संवाददाता ने मामले की जानकारी ली तो पता चला की जनता के साथ सर्वे करने वालो का व्यवहार ठीक नहीं था। महिलाओ के साथ चिल्ला–चिल्ला कर बातें कर रहा था।

जब एनसीआर समाचार के रिपोर्टर ने उनसे जानकारी लेना चाहा तो उन्हें जानकारी भी पूरी नहीं थी। हाई टेंशन तार के नीचे वाले घरो का वेरिफिकेशन कर रहे थे, जहाँ रजिस्ट्री होना नामुमकिन जैसा है।

एसजीई कंसल्टेंसी द्वारा संगम विहार में रजिस्ट्री के नाम पर 944 रूपये लिए जा रहे है। जब संगम विहार गली न 12 क्षेत्र के निगम पार्षद के पास फोन मिलाया गया तो उन्होंने साफ मना कर दिया की जो सर्वे चल रहा है उसका मतलब यह नहीं होगा की आपकी रजिस्ट्री पक्की हो जाएगी, रजिस्ट्री होगी या नहीं वो फैसला बाद में होगा। मतलब साफ ये मात्र एक वेरिफिकेशन हो रहा है।

लेकिन अगर वेरिफिकेशन हो रहा है तो जनता से 944 रूपये किस बात के लिए जा रहे है इसका जवाब किसी के पास नहीं है।

जब सर्वे कर रहे कर्मचारी के सीनियर मनीष से बात की तो उनसे पूछा गया की सर्वे ऐसी जगह का क्यों किया जा रहा है जिस जगह रजिस्ट्री होना मुश्किल है मनीष ने जवाब दिया मुझे पता है, कहा पास होगा उसी जगह सर्वे करवा रहे है। मतलब साफ केजरीवाल के विधायक किसी काम के नहीं है विधायक से ज्यादा तो अंदर की बात ये मनीष जानते है।

लाल कुआ चुंगी नंबर दो में सर्वे चल रहा है, आपको बता दें की उस जगह बिजली का नया मीटर भी नहीं लग सकता और ये कंपनी सर्वे कर रही है उस जगह।

लोग कह रहे है कि केजरीवाल सरकार द्वारा घोषणा होनी चाहिए की ये सर्वे गलत है या सही। इस संबंध में पूरी जानकारी के लिए एनसीआर समाचार ने यूट्यूब पर वीडियो डाली है उसे देख सकते है।

मानसून के आते ही संगम विहार रतिया मार्ग बन जाता है दलदल

नई दिल्ली (एनसीआर संवाददाता)। पिछले कई वर्षों से देखा जा रहा है कि मानसून के आते ही दिल्ली की सड़के एकाएक यमुना नदी की सहायक नदियों में तब्दील हो जाती है। वहीं कुछ सड़कें भले ही नदियों की तरह बहे लेकिन वहां हुई विकास के नाम पर वर्षों से चल रही सरकारी खुदाई उसे दल–दल में तब्दील कर देती है। ऐसा ही क्षेत्र है दक्षिणी दिल्ली का संगम विहार इलाका। जहां थोड़ी सी ही बारिश पूरे क्षेत्र को तितर–बितर कर देती है। संगम विहार में बारिश का पानी भर जाने से जनता इस कदर परेशान है कि वैकल्पिक स्थान मिलते ही संगम विहार छोड़ने तक को राजी है।

संगम विहार का मुख्य मार्ग रतिया रोड पूरे साल ही किसी न किसी तरह खबरों में अपनी जगह बनाये रखता है, चाहे वह बरसात में जल भराव हो या बरसात के कुछ दिनों बाद जलभराव से बनी दल दल हो। टूटी–फूटी नालियों के कारण गंदा पानी सड़कों पर भरना तो कभी विकास के नाम पर बरसो–बरस खुदाई। इन दिनों भी रतिया मार्ग, जहां लगभग पिछले पांच सालों से सीवर डालने के लिए खुदाई कार्य चल रहा है। नेताओं से पूछने पर हर बार कार्य चल रहा है, का जवाब मिलता है। लेकिन जिस गति के साथ काम चल रहा है उससे तो यही लगता है कि आने वाले 10 सालों में भी यह कार्य पूरा होने वाला नहीं है। यदि ऐसे ही 10–15 सालों तक कार्य चलते रहे तो दिल्ली मॉडल कैसे बनेगी। यह कहना से ज्यादा देखना और सोचना होगा।

वैसे भी इस क्षेत्र में जनता के लिए रोड नही जहां है वहां हल्की सी बारिश होते ही पानी इस कदर भर जाता है कई बार लोग अपनी नाव पानी में चला कर अपना रोष प्रकट करते है।

हालांकि संगम विहार में लगभग गलियों में सीमेंट रोड बना दिए गए है मगर नालियों की सफाई का कार्य भी चुनाव के समय ही तेजी में आता है, उससे पहले नगर निगम के कर्मचारी माह में एक बार तक ही आ पाते है। अगर चुनाव के समय कार्य तेज गति पकड़ सकता है तो उसके बाद क्यों नहीं।

इस संबंध में एनसीआर संवाददाता चंदन कुमार को वहां की भुगतभोगी जनता ने बताया की हल्की बारिश में पानी इस कदर भर जाता है जैसे समझो हम किसी गंदे नाले के बगल में रहते हैं और नालियो का पानी सड़कों पर आ जाता हो। जिसके कारण नारकीय स्थिति हो जाती है। लोगों का कहना है कि संगम विहार के विधायक दिनेश मोहनिया से मुलाकात करना बहुत मुश्किल हो गया है, अगर मुलाकात हो जाए तो समझो जैसे आप कौन बनेगा करोड़पति के अमिताभ बच्चन से मिल लिए। उनके दर्शन चुनावों के दौरान ही होते है। गंदगी के अलावा यहां की सबसे बड़ी समस्या है अवैध कब्जे जिसका कारोबार संगम विहार में दिन दूना रात चौगुना बढ़ रहा है। मगर नेताजी उधर अपना ध्यान नहीं लगाते।

अब दिल्ली में चुनाव होने वाले है ऐसे में देखना होगा कि चुनाव के दौरान जनता को भ्रमित करने के लिए सड़क और नालियों का कार्य गति पकड़ेगा या फिर दिनेश मोहनिया को सिर्फ उत्तराखंड के चुनावों को जीतने पर ही जोर देगी।

आई.आई.टी. जैसे व्यस्त क्षेत्र में फ्लाई ओवर के नीचे सड़क धसी, यातायात प्रभावित

क्या ऐसे ही दिल्ली को लंदन बनायेंगे केजरीवाल?-नेताओं ने घेरा

नई दिल्ली (नदीम अहमद)। पिछले दिनों राजधानी दिल्ली के व्यस्ततम यातायात क्षेत्र आईआईटी फ्लाईओवर के नीचे जमीन का एक हिस्सा एकाएक धंस गया और देखते ही देखते वहां गहरी खाई दिखाई देने लगी। हालांकि इस दौरान किसी भी प्रकार की जानमाल का नुकसान नहीं हुआ। दिल्ली ट्रैफिक पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए व उस ओर गाड़ियों को जाने से रोक दिया। इस वजह से काफी देर तक यातायात प्रभावित हो गया और सड़क पर भारी जाम की स्थिति बन गई। फ्लाई ओवर के नीचे हुए गड्ढे के चारों ओर बेरिकेट्स लगाकर ट्रैफिक को फिलहाल अधचीनी से कटवारिया सराय की तरफ डायवर्ड कर दिया गया है।

आपको बता दें की पिछले कुछ दिनों से दिल्ली के अंदर हो रही भारी बारिश के कारण हो रहा जलभराव इसकी मुख्य वजह है। फ्लाई ओवर के नीचे बह रहा नाला इसका मुख्य कारण बताया जा रहा है। दिल्ली के कई क्षेत्रों में सड़कों पर वाहनों का अवागमन न केवल जाम का करण बन रहा है अपितु कई स्थानों पर तो जन सामान्य को इससे भी बुरी हालातों का सामना करना पड़ रहा है।

ज्ञात हो कि इससे पहले 19 जुलाई को राजधानी दिल्ली के द्वारका में एक कार ड्राइवर समेत सड़क में ही समा गई थी। गनीमत रही कि उस घटना में कार चला रहे दिल्ली पुलिस के जवान अश्वनी कुमार बाल–बाल बच गए थे। सरकार से सवाल पूछ रहीं हैं। कांग्रेस व भाजपा नेताओं ने सवाल पूछा है कि क्या ऐसे ही केजरीवाल दिल्ली को लन्दन बनाएंगे?

इस संबंध में सोशल मीडिया पर आईआईटी फ्लाई ओवर के नीचे एकाएक हुए इस गड्ढे की तस्वीरें जमकर वायरल हो रही है। इस तरह सड़कों पर होते गड्ढों ने केजरीवाल सरकार की कार्यशैली और जनता को तरह–तरह के सपने दिखाकर दिल्ली को लंदन बना देने की बात करने वाली दिल्ली सरकार को बारीश ने सवालों के घेरे में ला खड़ा किया है। लेकिन विपक्ष द्वारा केजरीवाल सरकार की जमकर आलोचनाओं के बावजूद भी परिस्थितियों में कोई बदलाव के आसार फिलहाल नहीं दिखाई दे रहे हैं। वहीं मौसम विभाग ने आनेवाले दो दिनों में बारिश की संभावनाओं को देखते हुए ऑरेंज अलर्ट जारी किया है।

एनसीआर समाचार पत्र के स्वामित्व/ प्रकाशन परिवर्तन के संबंध में

आवश्यक सूचना

एनसीआर समाचार के समस्त पाठकों तथा पत्र के साथ जुड़े समस्त पत्रकारों, व्यावसायिक संयोजक, सरकारी एवं गैर सरकारी संस्थाओं/संस्थानों को यह सूचित किया जाता है कि गत वर्षों से श्री बलबीर सिंह के नेतृत्व व स्वामित्व में चले आ रहे वर्तमान एनसीआर समाचार पत्र का प्रकाशन व स्वामित्व मो. हनीफ, पुत्र श्री इस्माईल खान मास्टरजी, संगम विहार के स्वामित्व व नेतृत्व में हो रहा हैं। अतः भविष्य में समस्त प्रकार की व्यावसायिक, कानूनी एवं सामाजिक गतिविधियों के संचालन हेतु मो. हनीफ/ नये कार्यालय जी 12/276, संगम विहार, नई दिल्ली - 110062, दूरभाष (मोबाईल) 8888883968, 9811111715 से सम्पर्क करें

जिला जेल में बैरक की छत हुई धराशाई 21 कैदी घायल, 2 की हालत गंभीर

गंभीर घायलों को किया ग्वालियर रैफर

मुरैना (धर्मवीर पचौरी)। पिछले दिनों मुरैना स्थित जेल जिसके बारे में बता दें कि जेल कई वर्षों पुरानी है जिसमें क्षमता से अधिक कैदियों की भरमार है। जेल का काफी पुराना होना हादसे का कारण बना।

इस दुर्घटना में 20 से अधिक कैदी हुए घायल जिनमें से दो कैदियों की हालत गंभीर बनी हुई जिसके चलते उन्हें किया जा रहा ग्वालियर रैफर किया जा रहा है।

बता दें कि सबसे बड़ी बैरिंग थी बैरिंग नं 06 जिसमें 65 कैदी मौजूद थे। जेल के अंदर के क्या हालात बने हुए है इसे देख कर सरकार की पोल खुल रही है।

जब कोई निजी बिल्डिंग ज्यादा पुरानी हो जाती है तो सरकारी बुलडोजर उसपर सबसे पहले चल जाता है, मगर किसी भी अधिकारी ने यह जानने की कोशिश भी नहीं कि की यह जेल कितनी पुरानी है और इसकी मरम्मत कब करवाई जानी है।

जेल प्रशासन की कार्यशैली को देखते हुए सवाल उठना लाजिमी है क्या जेल प्रशासन को क्या पहले से भनक नहीं थी कि जर्जर होती जेल के हालात क्या है या यूं कहें कि आज के हादसे का ही इंतजार था?

बरेली बीएसएनएल बन रहा है दलालों का अड्डा कार्यालय के कमरों को किराये पर देने का आरोप

मामले की गंभीरता के दृष्टिगत कार्यवाही न करने पर उच्चाधिकारी पर संशय

रायसेन (अंसार खान)। पिछले दिनों बरेली क्षेत्र में संचालित भारत सरकार का बीएसएनएल विभाग अधिकारियों और कुछ बाहरी लोगों के लिए दलाली का अड्डा बना हुआ नजर आ रहा है। बरेली स्थित बीएसएनल ऑफिस में अधिकारियों की मिलीभगत से कुछ दलालों खेत खलियान में सुखाई जाने वाली फसलों को बीएसएनएल विभाग के कार्यालय में सुखाया जा रहा है

बीएसएनएल विभाग के अधिकारियों द्वारा कुछ दलालों से मिलीभगत कर बीएसएनल ऑफिस बरेली को खेत खलियान बनाकर फसलों की रखरखाव किया जा रहा है, विश्वसनीय सूत्रों से पता चला है कि बीएसएनएल विभाग के वरिष्ठ पदाधिकारी श्री पाटीदार की मिलीभगत से कुछ दलाल यहां पर डेरा जमाए हुए हैं ऐसी भी जानकारी मिल रही है कि दलालों द्वारा पाटीदार सहित बीएसएनएल विभाग के अधिकारियों को मोटी रकम कमाई जा रही है। अभी पता चला है कि विभाग के अधिकारियों ने ऑफिस के कुछ कमरों को किराए पर भी दे रखा है।

जब इस मामले में बीएसएनएल विभाग के अधिकारी अजय पाटीदार से बात की गई तो उन्होंने सारी बातों को सिरे से नकारते हुए कहा कि मैं अभी बाहर हूं इस विषय में अभी कुछ भी बात नहीं बता सकता हूँ।

अब देखना यह होगा कि क्या यह वीडियो फेक है या बीएसएनएल विभाग के अधिकारी फसल सुखाने वाले तथाकथित किसानों को बचाने के प्रयास में यह इधर उधर के जवाब दे रहे हैं। यदि बीएसएनएल विभाग में फसलें सुखाय जाने की बात सही है तो क्या यह विभाग के अधिकारियों की मिलीभगत से किया गया है या फिर अधिकारियों ने फसलें सुखाने की मोटी रकम वसूली है, मामला जो भी हो अभी कुछ कह पाना जल्दबाजी होगी क्योंकि इस विषय में एसडीएम प्रमोद सिंह गुर्जर का कहना है कि पहले मैं वीडियो की जांच करवाऊंगा उसके बाद ही कोई स्टेटमेंट दे पाऊंगा। मामले की गंभीरता को न समझते हुए कार्यवाही न करना अधिकारियों की उदासीनता ही कही जा सकती है।

शिवराज सरकार के मंत्री का बेतुका बयान, नेहरू के भाषण को बताया महंगाई बढ़ने का कारण

कांग्रेस टाटा, बिड़ला जैसे उद्योगपतियों की सेवा करती थी

नई दिल्ली (नदीम अहमद)। पिछले दिनों शिवराज सरकार के केबिनेट मंत्री विश्वास सारंग ने बेतुका बयान दिया है। उन्होंने कहा है की 1947 में जवाहर लाल नेहरू ने जो भाषण दिया था, उस भाषण की गलती के कारण देश की अर्थवयवस्था बिगड़ी है। शनिवार को विश्वास सारंग पत्रकारों से बात कर रहे थे इस दौरान पत्रकारों ने जब मंत्री जी से महंगाई पर सवाल पूछा गया तो मंत्री जी ने नेहरू के ऊपर दोष लगा दिए।

सारंग ने कहा है की हमारी सरकार ने पिछले 7 सालों में इस देश की अर्थवयवस्था को मजबूत किया है। उन्होंने कहा की नेहरू परिवार और कांग्रेस उद्योगपतियों की सेवा करती थी, टाटा बिड़ला जैसे उद्योगपति देश चलाते थे। लेकिन नरेंद्र मोदी सरकार ने जनधन के माध्यम से देश के करोड़ो गरीबों का समावेश किया है।

सारंग ने कहा है कि महंगाई का कारण केवल कांग्रेस है हमारी सरकार ने तो महंगाई कम की है और लोगों की आय बढ़ी है। हमारी सरकार ने इस देश में बहुत कुछ सकारात्मक किया है।

स्वच्छता सेवा दल ने वृक्षारोपण कर बेजुबान पक्षियों के लिए लगाये परिंडे

संस्था के पदाधिकारियों ने टीम का उद्देश्य प्राणी मात्र की सेवा करना बताया

कोठपुतली (प्रमोद कुमार बंसल)। पिछले दिनों स्थानीय स्वच्छता सेवा दल के कार्यकर्ता कस्बे में सेवा के विभिन्न कार्य अनवरत रूप से कर रहे हैं। इसी क्रम में टीम के सदस्यों के जन्मदिवस पर गायों को हरा चारा डालना, पक्षियों के लिए परिंडा लगाना, वृक्षारोपण करना, बेजुबान पशुओं व गायों के लिए पीने के पानी की टंकी लगवाना व अन्य सेवा के कार्य कर रहे हैं।

स्वच्छता सेवा दल के संयोजक प्रवीण बंसल ने जानकारी देते हुए बताया कि टीम के कार्यकर्ता मुकेश जांगिड़ एवं पत्रकार धर्मवीर कुमावत के जन्मदिवस पर गौशाला में गायों के लिए हरा चारा डाला गया, वृक्षारोपण किया गया एवं पक्षियों के लिए परिंडे लगाए गए।

इस दौरान सजना पब्लिक स्कूल की प्रधानाचार्य सजना कुमावत ने टीम स्वच्छता सेवा दल के सेवा कार्यों की प्रशंसा करते हुए टीम के सभी सदस्यों का आभार व्यक्त करते हुए टीम के सभी सदस्यों को भविष्य में भी सेवा कार्य करते रहने के लिए प्रेरित किया। वहीं टीम स्वच्छता सेवा दल के व्यवस्था प्रभारी कमलेश प्रजापति ने कहा कि कोरोना महामारी की प्रथम लहर से ही टीम सक्रिय रुप से कोटपूतली क्षेत्र में कार्य कर रही है।

टीम के द्वारा सेवा के कार्य निरंतर भविष्य में भी किए जाते रहेंगे। टीम का उद्देश्य प्राणी मात्र की सेवा करना है।स्वच्छता सेवादल टीम के सदस्य गिरवर शर्मा, मुनेश सैनी, कमलेश प्रजापति, देवराज कुमावत, दयाराम कुमावत, प्रशांत अग्रवाल, राहुल मंगल सहित अन्य कार्यकर्ता मौजूद रहे।

आंध्रा से दिल्ली ले जाया जाता 25 किलो गांजा जब्त

मुरैना (धर्मवीर पचौरी)। पिछले दिनों नूराबाद पुलिस ने लग्जरी वाहन से जप्त किया 25 किलो गांजा, आंध्रप्रदेश से दिल्ली ले जा रहे थे दोनों आरोपी, लोनी गाजियाबाद निवासी दो युवक ने कार के भीतरी हिस्सों में छिपा रखा था गांजा। मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने सांक नदी के पुल पर एम्बुलेंस लगाकर लग्जरी वाहन को पकड़ा।

आरोपियों के विरुद्ध मादक पदार्थ अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर हो

रही है। मामले में आगे के लिए गहन पूछताछ जारी है। गांजे की कीमत 3 लाख 75 हजार आंकी गई है। पुलिस ने 6 लाख के वाहन सहित 9 लाख 75 हजार का मशरूका बरामद किया, नूराबाद पुलिस ने तीन माह के अंदर 5 लग्जरी वाहनों से ढाई सौ किलो ग्राम गांजा जप्त किया है।

गुरु पूर्णिमा के पावन अवसर पर गंगा घाट पर लगाई लोगों ने आस्था और श्रद्धा की डुबकी

जगह-जगह भोजन भण्डारों का आयोजन

फर्रूखाबाद (सर्जन कश्यप)।

पिछले दिनों गुरु पूर्णिमा के पावन पर्व पर लोगों में लगाई गंगा घाट पर आस्था की डुबकी, पांचाल घाट पर श्रद्धालुओं की उमड़ी भीड़ गुरु पूर्णिमा के पावन पर्व पर श्रद्धालुओं ने आने वाले भक्तों को प्रसाद वितरित किया।

इस अवसर पर भोजन भंडारा किया गया। पांचाल घाट पर काफी दूर-दूर से लोग स्नान करने आए व पूजा अर्चना कर अपनी मन्नतें मांगी दुर्वासा ऋषि आश्रम में मौनी बाबा महाराज के द्वारा आयोजित सभी संतो और भक्त लोगों के द्वारा यहां भंडारा किया गया हर साल की भांति इस साल भी यहां पर भंडारा आयोजित किया गया है।

प्रभारी निरीक्षक हंसमती ने 24 घण्टे में सुलझाई हत्या के मामले की गुत्थी

बालामऊ रेलवे स्टेशन से किया अभियुक्तों को गिरफ्तार

हरदोई (शाहबाज हुसैन खान)।

पिछले दिनों हरदोई जनपद कस्बा कछौना क्षेत्र के अन्तर्गत ग्राम गाजू का मजरा फत्तेपुर में बीते रविवार को गांव के रामनाथ पुत्र रिक्खा की हत्या के कारण ों का खुलासा साफ नहीं हुआ था। हत्या कौतूहल का विषय बना हुआ था। कछौना कोतवाली प्रभारी निरीक्षक हंसमती और उनकी टीम ने इस हत्या के खुलासे का बीड़ा उठाया और अपनी टीम के साथ मिलकर इस कांड की गुत्थी सुलझाने में लग गई।

मुख्य बिन्दुओ की गहनता से जांच पर रामनाथ की पत्नि राम देवी पर दबाव बनाया तो उसने सब सच उगल दिया राम देवी के प्रेम प्रसंग रोशन लाल पुत्र राम विलास के साथ थे। जिसके कारण दोनों ने मिलकर रामनाथ की हत्या की साजिश रची इसमें उनका साथ दिया मोहित पुत्र रामविलास ने फिर तीनों ने मिलकर रविवार की सुबह रामनाथ जब शौच के लिए खेत में गया तभी दोनों भाई ने मिलकर राम देवी के इशारे पर घात लगाकर पीछे से हमला कर के धारदार हथियार से गला काट कर हत्या कर दी एवं मौके से फरार हो गए।

प्रभारी निरीक्षक हंसमती ने अपने पुलिस बल के साथ मुखबिर की सूचना पर बालामऊ रेलवे स्टेशन से अभियुक्तो को गिरफ्तार कर लिया।

अपने ही अपहरण की कहानी बनाकर तेरह वर्षीय बालक ने माता-पिता से मांगी एक करोड़ की फिरौती

मोबाईल पर गेम न खेलने देने से नाराज था बालक

जयपुर (प्रमोद कुमार बंसल)।

पिछले दिनों अलवर के बहरोड़ में कल्याणपुरा निवासी 13 साल के बच्चे को मोबाइल पर गेम खेलने से मना किया तो उसने अपने अपहरण की झूठी कहानी बनाकर एक करोड़ रुपए की फिरौती की मांग कर डाली।

यही नहीं रुपया नहीं पहुंचाने पर उसने हत्या की धमकी तक दे डाली जब घबराए परिजन थाने पहुंचे तो पुलिस ने अपहर्ताओं के नंबर को सर्विलांस पर लिया फोन ट्रेस कर लोकेशन पर पहुंची तो बच्चा कोटपुतली के एक मंदिर में बैठकर परिजनों को चैटिंग से धमकाता मिला।

थाना अधिकारी विनोद सांखला ने बताया कि कल्याणपुरा निवासी एक व्यक्ति ने बेटे के अपहरण की सूचना दी, बताया कि बदमाशों ने उसमें व्हाट्सएप के जरिए संपर्क कर एक करोड़ रुपए की फिरौती मांगी है। पुलिस ने फिरौती मांगने वाले से चैटिंग की लोकेशन कोटपूतली के देव मंदिर की आई पुलिस पहुंची तो बच्चा वहीं मिल गया, उसने बताया कि परिजन उसे मोबाइल पर गेम खेलने से मना करते हैं इसलिए उसने फिल्मों की तरह अपहरण की कहानी बनाई। वह देखना चाहता था कि परिजन पैसे से ज्यादा प्यार करते हैं या उससे वह घर से साइकिल लेकर 25 किलोमीटर दूर कोटपुतली तक आ गया था।

नारहेड़ा में टोल रोड़ के नवीनीकरण को लेकर ग्रामीणों ने जिला कलेक्टर, एसडीएम व डीटीओ को सौंपा ज्ञापन

समस्याओं व जानलेवा दुर्घटनाओं का कारण बन चुकी है रोड़ की दुर्दशा

कोठपुतली (प्रमोद कुमार बंसल)।

पिछले दिनों कोटपुतली कस्बे से होकर गुजर रहे डाबला रोड़ के कोटपूतली-नीम का थाना रोड़ पर पडने वाले ग्राम नारेहड़ा में टोल रोड़ की मरम्मत करवाये जाने व नवीनीकरण की मांग को लेकर बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ताओं ने मंडल अध्यक्ष संजय सिंह के नेतृत्व में जिला कलेक्टर के नाम एसडीएम सुनीता मीणा व डीटीओ आदर्श सिंह राघव को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में बताया कि अवैध खनन व ओवरलोडेड परिवहन के कारण ग्राम नारेहड़ा में मुख्य सडक पूरी तरह से गहरे गड्ढों में तब्दील हो चुकी है। उक्त मार्ग 20–30 गांवों के लिए जीवन रेखा का कार्य करती है। टोल रोड होने के कारण भी उक्त रोड जो स्टेट हाईवे का दर्जा रखती है। भारी दुर्दशा का शिकार है। दिन भर भारी वाहनों के परिवहन से

उडने वाली धूल के कारण व्यापार के साथ-साथ आम जनजीवन भी बुरी तरह से प्रभावित है। यही नहीं आम जन श्वांस की गंभीर बीमारियो के शिकार हो चुके है। आये दिन होने वाली सडक दुर्घटनाओं के कारण जहां लोग अपनी जानें गंवा रहे है। वहीं बड़ी संख्या में लोग गंभीर रूप से घायल व स्थाई तौर पर अपाहिज भी हो रहे है। विगत रविवार को हुई दुर्घटना में दो युवकों की भी जान चली गई थी। ज्ञापन में आने वाले दस दिनों में तीन किमी लम्बी सडकों के गड्ढे भरवाकर डामरीकरण करवाये जाने की मांग की गई है। ऐसा नहीं होने पर भाजपाईयों ने उग्र आन्दोलन की चेतावनी भी दी है। ज्ञापन सौंपने वालों में प्रदीप अग्रवाल, सरपंच प्रतिनिधि अशोक सिंह तंवर, सुनील बासनीवाल, संजय जोशी, पवन सिंह, लीलू सिंह, प्रशांत भारद्व ाज, मनोज अग्रवाल, बलवंत सिंह समेत अन्य मौजूद थे।

दबिश में हजारों की अवैध लकड़ियां बरामद

बरेली (सईद फराज अली)।

पिछले दिनों जिले की तहसील सिलवानी में मुखबिर की सूचना वन विभाग की बड़ी कार्यवाही तलैया मोहल्ला निवासी अनीश पिता हबीब खां के घर में अवैध रूप से रखी सांगवान जब्त की। सिलवानी में अनीश पिता हबीब के घर दबिश दी गई, जिसमें बड़ी मात्रा में सांगवान का जखीरा मिला सांगवान के 35 40 फर्दे जब्त किए गए।

जब्ती सागोन फर्दे रेंज परिसर सिलवानी मेला कर रखे गए है। सभी फर्दों को नापा गया इसकी कीमत बाजार में करीब 40 45 हजार रुपये बताई जा रही है आरोपी अनीश पिता हबीब खां एवं अन्य के विरुद्ध वन विभाग अधिक नियम के अंतर्गत वन अपराध दर्ज किया गया वन विभाग द्वारा जांच की जा रही है।

अस्पताल की बिल्डिंग है खुद बीमार, हो सकता है कोई भी हादसा

बार-बार चेताने पर भी प्रशासन के कान और आंखें बंद

पोरसा (धर्मवीर पचौरी)।

पिछले दिनों शासकीय अस्पताल पोरसा की बिल्डिंग कई जगह खराब हो चुकी है। कभी भी कोई बड़ा हादसा हो सकता है। शासकीय अस्पताल पोरसा की बिल्डिंग पहले से ही खराब थी। जिसकी दिखावट मरम्मत की गई और उसको जाँच घर बनाया गया तब अस्पताल परिसर में बनी डेनिडा बिल्डिंग को अस्पताल के रूप में उपयोग किए जाने लगा तब से आज लगभग 35 साल से ज्यादा पुरानी बिल्डिंग के कई जगह आर सी सी के छत के पिलर और छत पूरी तरह से जर्जर हो चुकी है। जिस का कुछ हिस्सा टूट टूट कर नीचे गिर रहा है जो किसी भी व्यक्ती के सिर के उपर गिर सकता है और बड़ा हादसा होने का अंदेशा है। लैब टेक्नीशियन का कमरा, वैक्सीन रखने वाला कमरा, तीन कमरे और जिनमें कर्मचारी बैठते हैं इनके कमरे खराब हो रहे है और जच्चा बच्चा तथा हॉस्पिटल के कई क्षेत्रों का आरसीसी का पिलर और

छत पूरी तरह से खराब हो चुकी है जिस कारण ऊपर से प्लास्टर टूटकर कर गिरता रहता है और कभी भी बड़ा हादसा हो सकता है– लेकिन प्रशासन का ध्यान इस ओर नहीं है।

लोक निर्माण विभाग द्वारा बनवाई गई सिलवानी थाना क्षेत्र की सड़क हुई जर्जर

गड्ढों के कारण भरा पानी, दुर्घटना की आशंका

बरेली (अंसार खान)।

पिछले दिनों जिले की तहसील सिलवानी थाना चौराहे से विश्राम गिरे गेर भवन तक जाने वाली सड़क पर बने गड्ढे इन दिनों मुसीबत का एवं विवाद का कारण बने हुए हैं गड्ढों के कारण पानी भर जाने से आए दिन हादसे की संभावनाएं बनी रहती है गड्ढों में भरा पानी आए दिन विवाद की स्थिति पैदा करता है।

अधिकारी सड़क की मरम्मत करवाने में किसी तरह का कोई भी ध्यान नहीं दे रहे हैं जबकि सड़क पर जनता का आना जाना इस कदर बना रहता है कि फुटपाथ से गुजरने वालों को भी काफी परेशानी का सामना करना पड़ता है।

इस रोड़ से सरकारी कार्यालयों में भी आमजन से लेकर जनप्रतिनिधि का गुजर होता है लेकिन जिम्मेदारों ने सड़क की मरम्मत को लेकर कोई ध्यान नहीं दिया है इसी के चलते वाहन चालकों को भी काफी परेशानी का सामना करना पड़ता है।

क्षेत्रवासियों ने भी इस बात की निंदा की आज इन गड्ढों में भरे पानी की वजह से दुर्घटना होती रहती है सिलवानी नागरिकों ने प्रशासन से सड़क की मरम्मत कराने की मांग की है।

शाहबाद में चली गोली अण्डा व्यापारी के पुत्र अनस की मौत

शाहाबाद (कृष्णपाल)।

पिछले दिनों शाहाबाद नगर में उस समय अफरा तफरी मच गई जिस समय एक अंडा व्यापारी के पुत्र को सरेआम 11 बजे सुबह गोली मार दी गई। मोहल्ला महमंद निवासी शकील जो कि बस स्टैंड स्थित दुकान पर थोक अंडा व्यापार करते है। आज सुबह 11 बजे के आस पास दुकान पर व्यापारी का पुत्र अनस दुकान पर बैठा था तभी उसका एक रिश्तेदार मोईन जो कि ग्राम हर्रई निवासी बताया जा रहा है। दुकान पर आकर किसी बात को लेकर कहासुनी होने पर अनस के ऊपर बन्दूक से फायर कर दिया। गोली हाथ पर लगते हुए कमर के पास जाकर लगी जिससे अनस गंभीर रूप से घायल हो गया। अधिक रक्तस्राव होने के कारण उसकी हालत नाजुक बनी देख कर शाहाबाद सरकारी अस्पताल से उसको हरदोई रेफर कर दिया गया। लेकिन अधिक रक्तस्राव होने के कारण रास्ते में उसकी मौत हो गई।

सपा जिलाध्यक्ष तनवीर खान ने दिलवाई सैकड़ों लोगों को सपा के सहयोग की शपथ

शाहजहांपुर (मोहम्मद खालिद)।

पिछले दिनों जनपद शाहजहांपुर समाजवादी पार्टी कार्यालय बिजलीपुरा में आज सुबह से ही दूर दराज से आए लोगो का हुजूम उमड़ पड़ा, समाजसेवी लोगो ने समाजवादी पार्टी में शामिल होकर जिला अध्यक्ष तनवीर खान के साथ मिलकर समाजवादी पार्टी को सहयोग देने की शपथ ली। पुवायां विधानसभा क्षेत्र से जुड़े हुए दर्जनों पंचायत सदस्य व ग्राम प्रधान मिलकर समाजवादी पार्टी में शामिल होकर अखिलेश यादव व समाजवादी पार्टी में आस्था व्यक्त कियें। इस मौके पर पार्टी के लोगो ने एवं पदाधिकारियों ने जिला अध्यक्ष तनवीर खान को फूल माला पहना कर स्वागत किया इस मौके पर पार्टी के पूर्व प्रदेश सचिव श्री उपेन्द्र पाल सिंह, पुवायां विधानसभा अध्यक्ष श्री गोपाल अग्निहोत्री, ब्रहमानंद मिश्रा, अनस, इकबाल, आदि लोग मौजूद रहे। माना जा रहा है की लगभग उत्तर प्रदेश में आने वाले विधानसभा चुनाव में समाजवादी पार्टी परचम लहरा सकती है।

आम बीनने गई 15 वर्षीय किशोरी के साथ बलात्कार

नहीं लिखी जा रही प्राथमिकी, न ही कराया गया डाक्टरी परीक्षण

फर्रूखाबाद (सर्जन कश्यप)।

पिछले दिनों थाना जहानगंज जिला फर्रुखाबाद आशु पुत्र कालीचरण ग्राम दानमंडी आशु की बहन पिंकी उम्र लगभग 15 वर्ष देर शाम सात बजे आम के बाग में आम बिनने गई हुई थी।

उसी समय गांव के ही कन्हैयालाल पुत्र आहलाद व कल्लू पुत्र चंद्रबाबू व राजकुमार पुत्र रघुनाथ सतीश पुत्र गिरीश, विशाल पुत्र भूधर, सुनहरी पुत्र सत्यदेव आदि लोग मक्का के खेत में छिपे थे और आशु की बहन को इन लोगों ने पकड़ कर मुंह हाथ पैर बांधकर मुंह में कपड़ा भर दिया तथा 1 घंटे तक रोके रहे इसके बाद 2 घंटे तक पैदल चलाया और कन्हैया अपने बहनोई सतीश पुत्र रामचरण निवासी ग्राम महमदपुर अमलैया ले गए जहां पर इन सभी लोगों ने अंशु की बहन के साथ जबरदस्ती बारी–बारी से बलात्कार किया।

आंसू ने उक्त घटना की रिपोर्ट थाना जहानगंज में रिपोर्ट अंकित की गई तथा प्रार्थी के कहने के मुताबिक प्रार्थी की रिपोर्ट नहीं लिखी गई तथा दिनांक 25 मई को उपरोक्त अभियुक्त गढ़ गांव के किनारे छोड़ गए तब मैं अपनी बहन पिंकी को लेकर थाने गया।

उन्होने कहा कि जहां पर पुलिस द्वारा मेरी बहन पिंकी के बयान लिए गए तथा इलाका पुलिस द्वारा अभी तक मेरी बहन का कोई डॉक्टरी परीक्षण नहीं कराया गया तथा मुलजिम सुलहनामा ना करने पर बराबर जान से मारने की धमकी दे रहे हैं।

पुलिस द्वारा मुलजिम के खिलाफ अभी तक कोई कार्रवाई नहीं हुई है ना ही किसी मुलजिम को गिरफ्तार किया गया है। थाना अध्यक्ष जहानगंज को आदेशित कर अंशु की बहन पिंकी का डॉक्टरी परीक्षण कराया जाए अथवा अन्य लोगों के नाम बढ़ाए जाने का आदेश पारित करके उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाए वा शीघ्र गिरफ्तार करने के आदेश पारित किए जाएं।

एम्बुलेंस संघ के कर्मियों ने किया धरना-प्रदर्शन

एम्बुलेंस खड़ी कर किया चक्का जाम

लखनऊ (नूर मोहम्मद शेख)।

पिछले दिनों लखनऊ के पीजीआई वृंदावन योजना ट्रामा टू के निकट एंबुलेंस संघ के कर्मचारियों का धरना प्रदर्शन एंबुलेंस गाड़ी खड़ी कर चक्काजाम किया। जीवनदायिनी स्वास्थ्य विभाग में 108 ,102 एंबुलेंस संघ के कर्मचारियों ने 3 दिन बाद आज लखनऊ के वृंदावन योजना ट्रामा टू के निकट लखनऊ के समस्त एंबुलेंस चालकों ने एंबुलेंस गाड़ी खड़ी कर चक्का जाम कर दिया।

वही एंबुलेंस कर्मचारियों का कहना है कि नए ठेकेदार के हाथों में शासन के द्वारा दी जाने पर नए सिरे से कर्मचारियों को रखा जाएगा। कर्मचारियों ने इसका विरोध करना शुरू कर दिया है। पहले संस्था द्वारा काम कर रहे हैं एंबुलेंस कर्मचारियों ने ठेकेदारी बदलने पर पुनः जिस वेतन पर कार्य कर रहे हैं वैसे ही कार्य करने की मांग उठाई है। उनका कहना है कि हम लोगो ने करोनाकाल में अपनी जान की परवाह ना करते हुए लोगों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर कार्य किया है। लेकिन अब हम लोगों को दूसरी कंपनी द्वारा हटाए जाने के लिए कहा जा रहा है। कर्मचारी इससे नाराज हैं।

प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड से अनापत्ति प्रमाणपत्र न लिये जाने के कारण क्षेत्र के 25 ईंट भट्टों का संचालन बंद

उत्तरप्रदेश नियंत्रण बोर्ड के निर्देश पर जिला प्रशासन को दिये गये आदेश

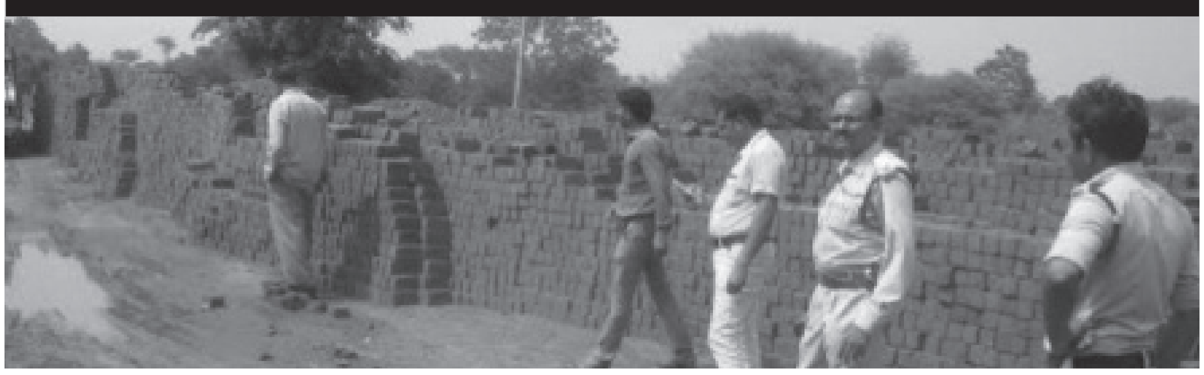

हरदोई (शाहबाज हुसैन खान)।

पिछले दिनों उत्तर प्रदेश नियंत्रण बोर्ड के निर्देश पर जिला प्रशासन ने हरदोई जनपद के चार तहसील क्षेत्र में स्थित 25 ईंट भट्टा का संचालन बन्द करने का आदेश सम्बन्धित उपजिलाधिकारियों को दिए है।

यह कार्यवाही प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड से अनापत्ति प्रमाण पत्र ना होने के कारण की है। हरदोई में बड़ी संख्या में ईंट भट्टे है। लेकिन जनपद हरदोई में प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड कार्यालय नहीं है।

ज्ञात हो कि 22 जुलाई 2021 को उत्तर प्रदेश नियन्त्रण बोर्ड उन्नाव से हरदोई जिला प्रशासन को 25 ईंट भट्टे का संचालन तत्काल प्रभाव से बन्द करने के आदेश दिए। इसी क्रम में अपर जिलाधिकारी ने संडीला, शाहाबाद, बिलग्राम के उपजिलाधकारियों को सम्बन्धित आदेशों में स्पष्ट किया कि ईंट भट्ठे को मिलने वाली अनुज्ञा या लाइसेंस जारी किया तो इसे भी तत्काल प्रभाव से निरस्त किया जाता है।

इसी के साथ संडीला तहसील क्षेत्र में 10 भट्ठे सदर हरदोई तहसील क्षेत्र में 9 भट्ठे बिलग्राम तहसील क्षेत्र में 3 भट्ठे एवं शाहाबाद तहसील क्षेत्र में 3 भट्ठे इस कार्यवाही की जद में है।

ओकादिया पुलिस ने दिखाई चुस्ती, हुई शातिर चोर की गिरफ्तारी

सीसीटीवी की फुटेज ने पकड़वा दिया चोर

ओकादिया (ब्रज कुमार राठौर)।

पिछले दिनों ओकादिया पुलिस की चुस्ती ने एक शातिर चोर को गिरफ्तार करवा दिया। खबर के अनुसार तीन छत कूदकर शटर खोलकर ऊपर से नीचे आकर चोरी करने वाला शातिर चोर गिरफ्तार कर लिया साथ ही 70000 रुपए का माल बरामद भी किया।

जिले सहित क्षेत्र भर में चोरी के मामले थमने का नाम नहीं ले रहे हैं इसी के साथ अकोदिया नगर में 15 जुलाई को ताहिर अली बोहरा के मकान में मध्य रात्रि में किसी अज्ञात बदमाश ने घुसकर गल्ले से रुपए तथा नई हीरो कंपनी की डेस्टिनी स्कूटी जिसका इंजन नंबर JF1ELLGK21595 जिसकी कीमत 70 हजार रुपए को शटर खोलकर चुरा ले गया। दुकान में लगे सीसीटीवी कैमरे देखने पर चोरी की वारदात की जानकारी मिल पाई। ज्ञात हुआ चोर ऊपर के रास्ते से छत से नीचे उतर कर घर में व दुकान में आया गल्ले से पैसे व स्कूटी की चाबी निकालकर अंदर से शटर खोलकर वैभव डेरी वाले रोड से चोरी कर ले गया।

पुलिस अधीक्षक शाजापुर पंकज श्रीवास्तव के द्वारा चलाए जा रहे चोरी की बरामदगी अभियान के पालन में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक, एसडीओपी शुजालपुर विजय शंकर त्रिवेदी के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी अवधेश कुमार शेषा के साथ उपनिरीक्षक रतन सिंह परमार, प्रधान आरक्षक विपिन तोमर, आरक्षक अनिरुद्ध पाल, आनंद शर्मा, बलराम यादव, शुभम रघुवंशी, रवि रघुवंशी, तेज सिंह एवं सैनिक जमुना प्रसाद ने मुखबिर की सूचना पर कालू उर्फ कुंदन पिता देवीलाल उर्फ देवी सिंह मालवीय उम्र 23 साल निवासी ग्राम मोहम्मद खेड़ा परमार छात्रावास के पास से शुक्रवार को पकड़ा। आरोपी कालू उर्फ कुंदन के कब्जे से चोरी की नई स्कूटी बरामद की गई जिसने पूछताछ में बताया कि वहां ताहिर अली के मकान में मंदिर की दीवार से ऊपर चढ़कर छत पर से कूदकर पहुंचा व चैनल गेट खोल कर अंदर आकर चोरी करना बताया। इसी के साथ आरोपी से और भी पूछताछ की जा रही है तथा जानकारी ली गई आरोपी के बेरछा, शुजालपुर, श्यामपुर थाना क्षेत्र में भी चोरी के रिकॉर्ड है।

चैकिंग के दौरान भारी मात्रा में अवैध शराब बरामद

देवास (नूर मोहम्मद शेख)।

पिछले दिनों देवास पुलिस को उस समय बड़ी सफलता मिली है, जब चैकिंग के दौरान एक वाहन में अवैध रूप से भारी मात्रा में शराब बरामद की गई है। जैसा की आजकल अपराधों की संख्या बढ़ती जा रही है उसका एक कारण शराब भी है, अक्सर अपराध नशे में ही होने की खबर मिलती है। जिसको देखते हुए मध्य प्रदेश प्रशासन लगातार कार्य कर रही है।

राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय में हुआ पौधरोपण

सिरोड़की (प्रमोद कुमार)।

पिछले दिनों सिलदर कस्बे के निकटवर्ती राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय सिरोडकी में शिक्षको के अथक प्रयासों से पौधारोपण एवम ट्री गार्ड लगाकर पर्यावरण संरक्षण की जिम्मेदारी ली। संस्था प्रधान दूदाराम रेबारी ने बताया कि विद्यालय में भामाशाह पूर्व सरपंच मडिया गीता देवी मनरूप जी सोनी की ओर से 15 ट्री गार्ड भेंट किए गए वही सोनी परिवार द्वारा भविष्य में जब भी पर्यावरण संरक्षण और संवर्धन का कार्य होगा तो हम निरंतर सहयोग करेंगे। वही स्टाफ ने भामाशाह का आभार प्रकट किया।

इस मौके पर अध्यापिका मोना ने बताया कि हमारे शिक्षको का लगातार ग्रामवासियों और भामाशाओ से संपर्क कर रहे है और विद्यालय परिसर हरा भरा करेंगे ,अध्यापक बबलू कुमार,दिनेश कुमार,ग्रामीण करणसिंह, सुरेंद्र सिंह,अचलाराम,कीकाराम,गणेशराम, गोपाल,सेसू देवी मौजूद रहे।

कोरोना की तीसरी लहर से निबटने के दृष्टिगत क्षेत्र में हुआ ऑक्सीजन प्लांट का निर्माण

क्षेत्रीय विधायक रजनी तिवारी ने फीता काट कर किया प्लांट का शुभारंभ

हरदोई (शाहनवाज हुसैन खान)।

पिछले दिनों देश में कोरोना की तीसरी लहर एवं क्षेत्रवासियों की सुविधा को दृष्टि गत रखते हुए शाहाबाद सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र पर ऑक्सीजन प्लांट का निर्माण विधायक रजनी तिवारी ने करवाया जिसका उन्होंने फीता काट कर शुभ आरम्भ किया।

इस अवसर पर उन्होंने सभी को संबोधित करते हुऐ कहा कि उत्तर प्रदेश सरकार के निर्देश एवं कोरोना वायरस की तीसरी लहर को ध्यान में रखते हुए क्षेत्रवासियों के लिए ऑक्सीजन प्लांट का निर्माण कर दिया गया है।

इस अवसर पर जिला अधिकारी अविनाश कुमार ने बताया कि विधायक रजनी तिवारी के मार्ग दर्शन में उनकी निधि से 43 लाख 38 हजार रुपए की लागत से इस ऑक्सीजन प्लांट का निर्माण मानकों के अनूरूप कराया गया। जिसमे 30 बेड पर पाइप लाइन के माध्यम से ऑक्सीजन सप्लाई सुचारू रूप से करने की व्वस्था है

इस अवसर पर उप जिलाअधिकारी सौरभ दुबे अपर मुख्य चिकत्सा अधिकारी स्वामी पाल एवं डाव प्रवीण दीक्षित आदि लोग मौजूद रहे।

जैन मंदिर में रही गुरू पूर्णिमा की धूम

श्रृद्धालुओं ने की पूजा-अर्चना

बरेली (अंसार खान)।

पिछले दिनों बरेली में जैन मंदिर मैं गुरु पूर्णिमा के पावन अवसर पर जैन समाज ने आचार्य गुरुवर विद्यासागर जी महाराज के प्रिय सर मुनि अक्षय सागर जी मुनि नेमी सागर जी, उपशम सागर जी महाराज के पावन शक्ति भाव से गुरु पूर्णिमा पर्व को मनाया गया। दिगंबर जैन मंदिर में स्थित संत कार्यक्रम के प्रारंभ में छोटी–छोटी बालिकाओं ने मंगलाचरण किया दिगंबर जैन पंचायत कमेटी ने आचार्य श्री विद्यासागर महाराज जी को एवं कुंडलपुर के बड़े बाबा जी का चित्र अनावरण किया। कर्नाटक और महाराष्ट्र से पधारे श्रद्धालुओं द्वारा तीनों महाराज श्री महाराज को शस्त्र भेंट किए। इस अवसर पर अक्षय वाणी पूज्य मुनि श्री अक्षय सागर जी से संबंधित सारी जानकारी के माध्यम से किया गया। पूज्य मुनि श्री अक्षय सागर जी महाराज ने गुरु पूर्णिमा श्रद्धा पर्व की विशेषताएं बताते हुए कहा की हर एक व्यक्ति को ईश्वर नहीं मिलते परमात्मा सीधे सरल व्यक्ति को दर्शन देते हैं गुरु अच्छे बुरे का ज्ञान कराता है। श्री श्री उपशम सागर जी महाराज ने पूर्णिमा की महिमा को बताते हुए कहा की गुरु पूर्णिमा पर्व वीर शा शन जयंती दोनों पर्व मुनि संघ के साथ मनाने का स्वभाव सभी भक्तों को प्राप्त हुआ। पूज्य मुनि श्री ने कहा की गुरु पूर्णिमा के साथ तीन पर्व एक साथ मनाये जा रहे हैं। सभी के भाग्य की सराहना करते हुए मुनि श्री ने धर्म के मार्ग पर चलकर संयम रखते हुए जीवन सफल बनाने को कहा कार्यक्रम में कमेटी के सभी लोग उपस्थित रहे

कोरोना की तीसरी लहर को दावत देती वेक्सीनेशन सेंटरों पर उतरी नियमों को ताक पर रखती बेकाबू भीड़

पोरसा (धर्मवीर पचौरी)।

पिछले दिनों टीकाकरण के लिए आए लोगों ने आपस में धक्का–मुक्की करते नजर आए। कोरोना को हराने के लिए आये ये स्वयं ही लोग कोरोना संक्रमण को आमंत्रित करते नजर आए।

वैक्सीनेशन के लिए आए अधिकांश लोग बिना मास्क के इधर उधर घूमते नजर आए। सामाजिक दूरी व कोरोना की गाइड लाइन की वहां जमकर धज्जियां उड़ाई गई। वैक्सीनेशन सेंटर पर पुलिस बल ने भीड़ को कंट्रोल किया। लोगों के इस प्रकार धक्का मुक्की करने पर स्वास्थ विभाग के कर्मचारियों ने चिंता जताई और लोगों से कोरोना नियमों को पालन करने की अपील की। देशभर में जैसे जैसे वैक्सीनेशन का कार्य तेजी से आगे बढ़ रहा है वैसे–वैसे कोरोना के केस कम हुए है। जिसे देखते हुए लोगो ने लापरवाही बरतना शुरू कर दिया है। देश के वैज्ञानिको ने इस पर चिंता जताई है। उन्होंने कहा है की अगर लापरवाही रोकी नहीं गई तो तीसरी लहर जल्द आ सकती है। स्वास्थ विभाग का कहना है कि सेंटर पर 3200 वैक्सीनेशन

संपादकीय

पूर्वोत्तर राज्यों के सीमा विवाद की अनदेखी ठीक नहीं जल्दी हल निकालना होगा।

दीपक कुमार त्यागी

देश की एकता और अखंडता को बरकरार रखने के लिए व सामरिक दृष्टिकोण से नॉर्थ ईस्ट के सभी राज्य बहुत संवेदनशील और महत्वपूर्ण है। यहां के सभी प्रकार के मसलों का हमेशा प्राथमिकता के आधार पर निस्तारण समय रहते होना जरूरी है। इस क्षेत्र में कोई भी विवाद लंबे समय तक नहीं चलना चाहिए। लेकिन फिर भी पूर्ववर्ती सरकारों के ढुलमुल व टालू रवैये के चलते भारत के पूर्वोत्तर के दो राज्य असम और मिजोरम आज एक दूसरे के खिलाफ सीमा पर आमने-सामने खड़े होकर एकदूसरे पर संगीनों का इस्तेमाल कर रहे हैं। हालात को देखकर लगता है कि राज्यों के बीच इस तरह के विवाद का आजाद भारत के इतिहास में शायद ही कोई दूसरा उदाहरण हो। हालांकि यह भी कटुसत्य है कि असम व मिजोरम के बीच अन्तरराज्यीय सीमाओं के बंटवारे को लेकर बहुत लंबे समय से विवाद की चिंगारी सुलग रही है और यह स्थिति देशहित में बिल्कुल भी उचित नहीं है। लेकिन फिर भी समस्या के स्थाई निदान ना होने के चलते 26 जुलाई 2021 सोमवार को फिर से इन दोनों राज्यों के सीमावर्ती क्षेत्रों में जबरदस्त हिंसक विवाद हो गया। सूत्रों के अनुसार सीमा बंटवारे के विवाद के कारण दोनों राज्यों की सीमा पर भड़की हिंसा में मिजोरम की ओर से उपद्रवियों की भारी भीड़ के द्वारा असम पुलिस पर जबरदस्त गोलीबारी व पथराव किया गया, जिसमें असम के कछार जिले के सीमावर्ती इलाके में पाँच पुलिसकर्मियों व एक नागरिक की मौत हो गई और 50 से अधिक घायल हो गए। हालांकि मिजोरम का आरोप है कि हिंसा की शुरुआत असम ने की, उसने तो बचाव के लिए आवश्यक कदम उठाए थे, खैर जो भी यह तो भविष्य में जांच का विषय है। लेकिन आप विवाद का अंदाजा इस बात से लगा सकते हैं कि इस गोलीबारी और पथराव में कछार के एसपी निंबालकर वैभव चंद्रकांत भी गंभीर रूप से घायल हो गये हैं, सभी घायलों का सिलचर मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल में इलाज चल रहा है। देश की अखंडता व एकजुटता को झकझोर देने वाले इस घटनाक्रम के बाद हिंसक घटना को लेकर असम और मिजोरम के बीच जमकर राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप का दौर शुरू हो गया था। इस विवाद की बात करें तो असम की बराक घाटी के जिले- कछार, करीमगंज और हैलाकांडी तथा मिजोरम के तीन जिले- आइजोल, कोलासिब और ममित, लगभग 165 किलोमीटर लंबी सीमा को साझा करते हैं। सीमावर्ती क्षेत्र में बढ़ते जनसंख्या घनत्व व बेहद दुर्गम पहाड़ी क्षेत्र होने के कारण इस क्षेत्र में भूमि का छोटा टुकड़ा भी आजकल बेहद अहमियत रखता है, जिसके चलते ही अक्सर इस क्षेत्र में सीमा विवाद हो जाता है। यहां वर्ष 2020 और इस वर्ष 2021 में भी दोनों राज्यों के सीमावर्ती इलाकों के लोगों के बीच कई बार छिटपुट विवाद की घटनाएं घटती हुई हैं। हाल के दिनों में दोनों राज्यों के बीच सीमा विवाद उस वक्त उत्पन्न हुआ जब असम पुलिस के जवानों ने अपनी जमीन पर कथित तौर पर अतिक्रमण हटाने के लिए अभियान शुरू किया था। तबसे इस विवादित क्षेत्र में लगातार आये दिन छिटपुट घटनाएं घटती हो रही थीं। असम व मिजोरम की सरकार इन घटनाओं के लिए एक दूसरे को जिम्मेदार ठहरा रही थी। दोनों राज्यों के लोगों के बीच इस तनाव को कम करने के लिए शासन-प्रशासन के स्तर पर वार्ता का दौर भी निरंतर चल रहा था। लेकिन फिर भी बेहद अफसोस की बात यह है कि लंबे समय से लंबित विवाद ने कर्तव्यनिष्ठ असम पुलिस के पाँच जाबांज जवानों की अनमोल जान को लील ही लिया। राज्यों के सीमा बंटवारे के इस विवाद की जड़ें औपनिवेशिक काल से रही हैं, जिनका अभी तक निस्तारण ना होना देशवासियों को आश्चर्यचकित करता है। वैसे तो असम का अपने सीमावर्ती राज्यों- मेघालय, अरुणाचल प्रदेश व नागालैंड से भी सीमा बंटवारे के लिए विवाद चल रहा है, लेकिन उन राज्यों से सीमा विवाद इतना जटिल नहीं जितना कि मिजोरम से है, मिजोरम की सीमाओं पर विवाद उस क्षेत्र को लेकर है जिस पर दोनों राज्यों के लोग अपना अधिकार लंबे समय से जताते आ रहे हैं। वैसे तो असम और मिजोरम की सीमा लगभग 165 किलोमीटर लंबी है। ब्रिटिश शासन काल में मिजोरम का नाम लुशाई हिल्स हुआ करता था और यह असम का एक जिला मात्र था। इस सारे विवाद की जड़ में मुख्य रूप से ब्रिटिश शासन काल का एक बहुत पुराना नोटिफिकेशन है। वर्ष 1873 के बंगाल ईस्टर्न फ्रंटियर रेग्युलेशन एक्ट के तहत वर्ष 1875 में एक नोटिफिकेशन अंग्रेजी हुकूमत के द्वारा जारी किया गया था। इस नोटिफिकेशन में लुशाई हिल्स को असम के कछार के मैदान से अलग कर दिया गया था, लेकिन फिर वर्ष 1933 में एक और नोटिफिकेशन जारी किया गया था। लेकिन यह दोनों नोटिफिकेशन राज्यों की सीमाओं को अलग-अलग दिखाते हैं, बस यहीं से विवाद की शुरुआत हो जाती है। मिजोरम के लोग कहते हैं कि राज्य की सीमाओं को वर्ष 1875 के नोटिफिकेशन के आधार पर तय किया जाना चाहिए, मिजोरम के मिजो नेता यह तर्क देते हैं कि वर्ष 1933 का नोटिफिकेशन मान्य नहीं है क्योंकि उस नोटिफिकेशन के लिए मिजो समुदाय से तत्कालीन ब्रिटिश सरकार ने कोई विचार-विमर्श नहीं किया था। वहीं असम की सरकार सीमा बंटवारे के लिए वर्ष 1933 के नोटिफिकेशन को मानती है, जब भी इन विवाद को सुलझाने की ठोस पहल धरातल पर होनी शुरू होती है, कुछ राजनेताओं की कृपा से कुछ लोगों के द्वारा इन ज्वलंत मसलों पर व्यवधान करने के लिए ओछी राजनीति करना शुरू कर दी जाती है। केंद्र सरकार के पास एक बहुत बड़ा मौका है कि वह पूर्वोत्तर के इन राज्यों के सामरिक महत्व को समझ, हर तरह के विवादों का राज्य सरकारों से सामंजस्य करके जल्द से जल्द निस्तारण करके, ज्वलंत समस्याओं का स्थाई समाधान करके, देश के नॉर्थ ईस्ट भाग की सीमाओं को मजबूत बनाने का कार्य करे।

पिछले तीस सालों से इंतजार है तीन गांवों के हजारों लोगों को एक पुल का

जिन्दगी दांव पर लगी रहती है जहां रोजमर्रा के कामों में ही

रायसेन (सईद फराज अली)। मध्यप्रदेश सरकार ने पूरे प्रदेश में 26 जुलाई से 11 वीं और 12 वीं कक्षा के विद्यार्थियों के लिए स्कूल छात्रावास खोल दिए हैं और अभियान को सफल बनाने के लियें करोड़ों रुपये खर्च कर रही है सरकार।

लेकिन मध्य प्रदेश सरकार के स्वास्थ्य मंत्री डॉ प्रभुराम चौधरी के विधानसभा क्षेत्र में ही स्कूल जाने के लिए छात्र–छात्राओं को प्रतिदिन अपनी जान जोखिम में डालकर दो रेलवे की पटरियों के सहारे नदी पार करना पड़ती है। जहां विकास के दावे और तरक्की के सारे वादे खत्म होते दिखाई देते हैं।

मामला है रायसेन जिले के सांची विकासखंड के ग्राम पंचायत गीदगढ़ का। जहां नदी पार करने के लिए छात्र–छात्राओं और हजारों ग्रामीणों को नदी पर रेलवे लाइन की दो पटरिया रखकर इस नदी को पार करना पड़ता है।

लोगों का कहना है कि अगर जरा सी भी चूक हुई या नजर झुकी तो कभी भी कोई बड़ा हादसा हो सकता है।

कई बार तो हादसा हो भी चुका है। कुछ समय पूर्व ही एक वृद्ध महिला की यहां से गिरने से मौत हो चुकी है। मगर उसके बाद भी प्रशासन मूकदर्शक बना बैठा है।

जुगाड़ का पुल गांव वालों ने ही बनाया है और 3 गांव के लोग 30 वर्षों से रोज यहां से अपनी जिंदगी को दांव पर लगाकर सफर तय करके दूसरी तरफ जाते हैं। यहां से छोटे व बड़े स्कूल के बच्चे को भी प्रतिदिन जोखिम भरा सफर तय करना पड़ता हैं।

साप्ताहिक राशिफल

यह राशिफल गोचर ग्रहों के साप्ताहिक योग से जन्म/नाम राशि गणना अनुसार है।

मेष राशि इस सप्ताह मंगल, उदीयमान राशि का स्वामी परिवार और घरेलू सुख के घर से गोचर करेगा जिससे आपको कुछ थकान भरे कार्यों से समय निकलते हुए, आराम करने और करीबी दोस्तों व परिवार के साथ कुछ खुशी के कुछ पल बिताने की जरूरत होगी। क्योंकि इससे आपको अंदरूनी प्रसन्नता मिलने के साथ ही, अपनी कार्य क्षमता में वृद्धि करने के अवसर भी मिल सकेंगे। इसलिए अपने शरीर को थोड़ा आराम देना, अभी आपके लिए उत्तम रहने वाला है। इस सप्ताह क्योंकि आपके धन भाव में राहु का प्रभाव रहेगा जिससे आपको कई स्रोतों से धन लाभ होगा, जिसका उचित अवसर उठाते हुए आप उसे किसी निवेश में लगाने का फैसला भी ले सकते हैं। परंतु योग बन रहे हैं कि, इस दौरान आपका लम्बे अरसे को मद्देनजर रखते हुए ही किसी भी निवेश को करना, भविष्य में आपको शुभ फल देने का कार्य करेगा। इस दौरान आपका ध्यान न ही शिक्षा से भ्रमित होगा और साथ ही आपके दोस्तों के चलते भी आपको हर प्रकार के अवरोध से भी छुटकारा मिल सकेगा।

सुबह सात बार हनुमान चालीसा का पाठ करें।

वृष राशि इस सप्ताह आपकी राशि में राहु के प्रभाव के कारण आपके लिए काम और आराम के बीच में, सही संतुलन स्थापित करना बेहद आवश्यक होगा। ऐसे में यदि आप लंबे समय से किसी बीमारी से पीड़ित हैं, तो इस समय आप उससे पूरी तरह निजात पाने में सफल रहेंगे। क्योंकि ग्रहों की अनुकूल दृष्टि, आपको कई बीमारियों से छुटकारा दिलाने में सहायता करेगी और उस दौरान आप अच्छा स्वास्थ्य भोगेंगे। मानसिक रूप से भी आप संतुलित होंगे। इस दौरान आपकी खाने की आदतें और दैनिक जीवन शैली में भी सुधार होगा। ये देखा गया हैं कि आप जीवन में पैसे की अहमियत को नहीं समझते, लेकिन इस सप्ताह मंगल के गोचर के कारण, जो आपके घरेलू सुख–सुविधाओं के घर में खर्च के भाव के स्वामी आपको पैसे की अहमियत अच्छे से समझ में आ सकती है । क्योंकि इस दौरान आपको पैसे की बहुत आवश्यकता होगी, लेकिन आपके पास पर्याप्त धन नहीं होगा। इस सप्ताह घर–परिवार में किसी प्रकार का कोई कार्यक्रम आयोजित हो सकता है, जिसपर आपको अपना बहुत धन खर्च करना होगा। इससे आपके मानसिक तनाव में वृद्धि होगी, साथ ही आप अत्यधिक घरेलू कार्यों के चलते, अपने कार्यक्षेत्र पर जरूरी ध्यान दें पाने में खुद को असमर्थ पाएंगे। ये सप्ताह आपके पेशे के घर में बृहस्पति के आशीर्वाद के कारण आपके करियर में वृद्धि लेकर आएगा, लेकिन आपको इस बात का खास ख्याल रखने की सलाह दी जाती है कि इस दौरान आप जो भी काम करें, उसे अच्छी तरह से देख–समझ लें। उपाय– शुक्रवार के दिन मां पार्वती को चावल, दूध और चीनी का भोग लगाएं।

मिथुन राशि इस हफ्ते आपकी मानसिक स्थिति काफी बेहतर होगी, क्योंकि आप इस दौरान हर प्रकार के तनाव से खुद को दूर रखने में सफल होंगे। हालांकि केतु के रोगों के घर में होने के कारण आपको मौसम परिवर्तन के दौरान छोटी–मोटी बीमारियाँ लग सकती हैं, लेकिन इसके अलावा कोई बड़ी बीमारी इस समय आपको नहीं लगेगी। इस सप्ताह आपको कई माध्यमों से, लगातार धन

शेष पृष्ठ १० पर...

NCR समाचार

संपादकीय कार्यालय

जी-12/276, संगम विहार, नई दिल्ली-110062. सोमवार से शनिवार प्रात: 9:00 से सायं 9:00

फोन: 8888883968, 9811111715

आवश्यक सूचना

एनसीआर समाचार के समस्त पाठकों तथा पत्र के साथ जुड़े समस्त पत्रकारों, व्यावसायिक संयोजक, सरकारी एवं गैर सरकारी संस्थाओं/संस्थानों को यह सूचित किया जाता है कि गत वर्षों से श्री बलबीर सिंह के नेतृत्व व स्वामित्व में चले आ रहे वर्तमान एनसीआर समाचार पत्र का प्रकाशन व स्वामित्व मो. हनीफ, पुत्र श्री इस्माईल खान मास्टरजी, संगम विहार के स्वामित्व व नेतृत्व में हो रहा हैं। अत: भविष्य में समस्त प्रकार की व्यावसायिक, कानूनी एवं सामाजिक गतिविधियों के संचालन हेतु मो. हनीफ/ नये कार्यालय जी 12/276, संगम विहार, नई दिल्ली - 110062, दूरभाष (मोबाईल) 8888883968, 9811111715 से सम्पर्क करें

कमलनाथ के गढ़ छिंदवाड़ा में सेंध लगाने का भाजपा ने बनाया मास्टर प्लान

भोपाल (सईद फराज अली)।

पिछले दिनों मध्य प्रदेश के 29 लोकसभा क्षेत्रों में से छिंदवाड़ा को कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष कमलनाथ का गढ़ माना जाता है। नाथ के इस गढ़ को भेदने के लिए भाजपा ने तैयारी शुरू कर दी है।

इसकी जिम्मेदारी केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया को दी गई है। ज्ञात हो कि सिंधिया लगभग 13 साल बाद 18 अगस्त को एक दिवसीय प्रवास पर छिंदवाड़ा जाएंगे। उनका आधिकारिक दौरा प्रदेश भाजपा की तरफ से जारी किया गया है।

सिंधिया के छिंदवाड़ा जाने की खबर से राजनीतिक हलकों में सरगर्मी तेज हो गई है। दरअसल, म.प्र. के पूर्व सीएम कमलनाथ के गढ़ छिंदवाड़ा में कांग्रेस सरकार गिराने के बाद सिंधिया का यह पहला दौरा है।

ऐसे में भाजपा कार्यकर्ता काफी उत्साहित दिख रहे हैं, जबकि कांग्रेसी सिंधिया के दौरे में प्रदर्शन की तैयारी कर रहे हैं। मप्र में छिंदवाड़ा ही एक मात्र संसदीय और जिला है जहां भाजपा सबसे कमजोर है। छिंदवाड़ा संसदीय सीट पर कमलनाथ के सुपुत्र नकुलनाथ सांसद हैं।

वहीं जिले की सातों विधानसभा सीटों पर कांग्रेस का कब्जा है। भाजपा की रणनीति है कि 2023 के विधानसभा और 2024 के लोकसभा चुनाव में यहां कांग्रेस को जोरदार टक्कर दी जाए। जिसके चलते ज्योतिरादित्य सिंधिया को वहां सक्रिय किया जा रहा है।

एनजीटी ने गोर्वधन पर्वन के संदर्भ में पर्यावरण संरक्षण हेतु दी गई निगरानी समिति की रिपोर्ट को किया स्वीकार

गोवर्धन (राहुल मोहन शर्मा)।

पिछले दिनों एनजीटी ने गोवर्धन और आसपास के क्षेत्रों, विशेष रूप से मथुरा–वृंदावन के पास गिरिराज पर्वत में पर्यावरण की सुरक्षा के संबंध में निगरानी समिति की सिफारिशों को स्वीकार कर लिया है। क्षेत्र के आध्यात्मिक और सांस्कृतिक महत्व के कारण, दुनिया के विभिन्न हिस्सों से आठ से 10 मिलियन तीर्थयात्री हर महीने गोवर्धन की परिक्रमा करने जाते हैं। वे गिरिराज जी के मंदिर, राधा कुंड और आसपास के अन्य पवित्र स्थानों पर भी जाते हैं।

समिति ने सिफारिश की है कि गोवर्धन राधाकुंड के आसपास संरक्षित वन सीवेज नेटवर्क के चारों ओर स्थायी डंपिंग साइट, चारदीवारी के विकास जैसे कुछ आवश्यक पर्यावरण संरक्षण उपायों के बारे में प्रगति में सुधार की आवश्यकता है। राधाकुंड बाईपास के निर्माण में तेजी लाने की जरूरत है। सर्विस रोड का काम शुरू करने में और तेजी लाने की जरूरत है। मल्टी लेवल पार्किंग के निर्माण में तेजी लाने की जरूरत है। समिति ने यह भी सिफारिश की है कि नौ कुंडों की सफाई के लिए कार्य योजना तत्काल आधार पर बनाई जानी चाहिए। परिक्रमा मार्ग पर सभी अतिक्रमणों को हटाने की जरूरत है। स्थगन आदेशों की छुट्टी के लिए सक्रिय प्रयास किए जा रहे हैं। मुख्य सचिव यूपी समीक्षा करें।

न्यायमूर्ति आदर्श कुमार गोयल की अध्यक्षता वाली एनजीटी पीठ ने पारित एक आदेश में कहा कि ष्हमें निरीक्षण समिति की सिफारिशों को स्वीकार नहीं करने का कोई कारण नहीं दिखता है। इस न्यायाधिकरण के आदेश के अनुसार गठित समिति उपरोक्त अनुशंसाओं का अनुपालन सुनिश्चित करें और लंबित कार्यों को उसकी निगरानी जारी रखते हुए पूरा किया जाए।

ट्रिब्यूनल ने गोवर्धन और आसपास के इलाकों, खासकर मथुरा–वृंदावन के पास गिरिराज पर्वत में पर्यावरण की सुरक्षा के लिए दायर याचिका पर सुनवाई करते हुए यह आदेश दिया।

तलैया में युवक की हत्या, अपने ही दोस्त को चाकू मारकर उतारा मौत के घाट

भोपाल (सईद फराज अली)।

पिछले दिनों तलैया पुलिस के अनुसार इस्लाम पूरा हजार निवासी 22 साल के फैज कुरैशी पिता इमरान कुरैशी ऑटो चलाता था। फैज के परिचित अमान ने बताया कि रविवार रात फैज अपने दोस्त सफीक के साथ सईदिया स्कूल ग्राउंड में बैठा था। वह कुछ दूरी पर अपने दोस्तों के साथ खड़ा हुआ था। तभी उन्हें चिल्लाने की आवाजें आईं।

वे दौड़कर वहां पहुंचे तो फैज खून से लथपथ पड़ा हुआ था और सफीक वहां से भाग चुका था। उसे अस्पताल ले गए, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई घटना की सूचना पर पुलिस सफीक के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज कर उसकी तलाश शुरू कर दी।

तलैया पुलिस के अनुसार इस्लाम नगर निवासी 22 साल के फैज कुरैशी पिता इमरान कुरैशी ऑटो चलाता था। फैज के परिचित अमान ने बताया कि रविवार रात फैज अपने दोस्त सफीक के साथ सईदिया स्कूल ग्राउंड में बैठा। वह कुछ दूरी पर अपने दोस्तों के साथ खड़ा हुआ था। तभी उन्हें चिल्लाने की आवाजें आईं। वे दौड़कर वहां पहुंचे तो फैज खून से लथपथ पड़ा हुआ था और सफीक वहां से भाग चुका था।

उसे अस्पताल ले गए, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। घटना की सूचना पर पुलिस ने सफीक के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज कर उसकी तलाश शुरू कर दी है।

इस बारे में जानकारी देते हुए एएसपी रामस्नेही मिश्रा ने बताया कि आरोपी के पकड़े जाने के बाद ही हत्या के कारणों का पता चल पाएगा। फैज के पेट में 7 से 8 बार चाकू मारे गए।

क्षेत्रीय बदमाशों ने पत्रकारों को दी जान से मारने की धमकी व शहर छोड़ने के लिए कहा

सूचना मिलने पर पुलिस ने कार्यवाही का दिया आश्वासन

डबरा (नूर मोहम्मद शेख)।

पत्रकार का कार्य आसान नहीं रहता यह कहना इसलिए भी मुनासिब है कि रिपोर्टिंग के दौरान पत्रकारों को काफी तरह की दिक्कतों का सामना करना पड़ता है।

कुछ ऐसा ही वाक्य डबरा के रहने वाले पत्रकार हमीद खान के साथ हुआ जहां उन्हें रिपोर्टिंग के दौरान एक बदमाश और उसके साथियों द्वारा जान से मारने की धमकी और शहर छोड़ने को कहा गया।

उसके बाद उन्होंने आज डबरा थाना जाकर थाना प्रभारी सुरेश सिंह सिकरवार को आवेदन देकर पूरे मामले से अवगत कराया साथ ही धमकी देने वाले बदमाश एवं उसके अन्य साथियों पर कार्रवाई करने की मांग की।

थाना प्रभारी ने पत्रकार को आश्वासन देते हुए जल्द कार्रवाई करने की बात कही, आपको बता दें कि बदमाश लाल खां पर पहले से ही काफी अपराधिक मामले दर्ज हैं और वह तमाम तरह के अपराधिक कार्यों में लिप्त है।

पुलिस की दबिश में लाखों की स्मैक बरामद

गाडरवारा (नूर मोहम्मद शेख)।

नरसिंहपुर जिले के पुलिस अधीक्षक श्री विपुल श्रीवास्तव के निर्देशानुसार जिले में मादक पदार्थों की तस्करी तथा बिक्री के विरुद्ध चलाये जा रहे विशेष अभियान के तहत अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक महोदय श्री सुनील कुमार शिवहरे, एसडीओपी महोदय गाडरवारा श्री ओ0पी0 त्रिपाठी के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी गाडरवारा निरीक्षक राजपाल सिंह बघेल द्वारा गठित की गई विशेष टीमों द्वारा दिनांक 25ध07ध2021 को मुखबिर सूचना के आधार पर गोल्डन सिटी कॉलोनी गाडरवारा मे अवैध रूप से मादक पदार्थ स्मैक विक्रय करने की गरज से लेकर खड़े नितिन उर्फ गोलू पिता नारायण सोनी उम्र 28 वर्ष निवासी शिवाजी वार्ड गाडरवारा जिला नरसिंहपुर को तत्काल मौके पर दबिश देकर रंगे हाथ 22 ग्राम अवैध मादक पदार्थ स्मैक कीमती 2,20,000 रुपए जप्त कर पुलिस ने अपने कब्जे में ले लिया। आरोपी को गिरफ्तार कर थाना गाडरवारा में अपराध क्रमांक 612ध21 धारा 8,21(इ) एन.डी.पी.एस. एक्ट का पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया।

चिकित्सा शिक्षा में आरक्षण के मायने

समाजवाद के प्रखर चिंतक डक्र राम मनोहर लोहिया भी केवल दलितों को आरक्षण देने के पक्ष में थे। लोहिया का कहना था, 'यदि जातीय आधार पर देश को बांटते चले जाएंगे तो हम भीतर से दुर्बल होते चले जाएंगे। विकास को जाति पर केंद्रित करने के दीर्घकालिक अर्थ कबिलाई समाज में परिवर्तित होने लग जाएंगे।' बावजूद समाज का कबिलाई रूवरूप विकसित हो रहा है, जो सामाजिक न्याय नहीं, अन्याय का द्योतक है। कांग्रेस भी आर्थिक आधार पर आरक्षण की पैरवी करती है। मायावती ने तो आर्थिक रूप से पिछड़े सवर्णों को आरक्षण देने का प्रस्ताव विधानसभा से भी पारित करा दिया था। आरक्षण के विभिन्न पहलुओं पर विचार करता प्रमोद भार्गव का विचारोत्तेजक लेख-

पिछड़े वर्ग की लंबे समय से चल रही मांग पर केंद्र सरकार ने विराम लगा दिया। अब राज्य सरकारों के चिकित्सा महाविद्यालयों में भी केंद्रीय कोटे के अतंर्गत आरक्षित 15 प्रतिशत सीटों पर पिछड़ा वर्ग के छात्रों को 27 और आर्थिक रूप से कमजोर (ईडब्ल्यूएस) के छात्रों को 10 फीसदी आरक्षण का अतिरिक्त लाभ मिलेगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के निर्देश पर केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने यह फैसला लिया है। हालांकि केंद्र सरकार के मेडिकल कॉलेजों में यह व्यवस्था पहले से ही लागू है। अब तक राज्य सरकार के कॉलेजों केंद्रीय कोटा के तहत सिर्फ अनुसूचित जाति एवं अनुसूचितजन जाति के छात्रों को ही आरक्षण का लाभ मिलता था। इस निर्णय के बाद नीट सभी 15 प्रतिशत अखिल भारतीय सीटों पर यह आरक्षण लागू हो जाएगा। आरक्षण यह लाभ क्रीमी–लेयर के दायरे में आने वाले छात्रों को नहीं मिलेगा। साफ है, पिछड़े वर्ग की जातियों को यह लाभ केंद्रीय सूची के हिसाब से मिलेगा। इस लाभ को उत्तर–प्रदेश व गुजरात में अगले वर्ष होने वाले विधानसभा चुनाव के परिप्रेक्ष्य में भी देखा जा रहा है। क्योंकि कांग्रेस समेत अन्य विपक्षी दल भाजपा की केंद्र में सरकार बनने के बाद से ही यह आरोप लगाते रहे हैं कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ जातीय आरक्षण के पक्ष में नहीं है। दरअसल, आरक्षण की पुनर्समीक्षा और आर्थिक आधार पर आरक्षण के मुद्दे पर संघ प्रमुख मोहन भागवत ने कहा था कि 'समूचे राष्ट्र का वास्तविक हित का ख्याल रखने वाले और सामाजिक समता के लिए प्रतिबद्ध लोगों की एक समिति बने, जो विचार करे कि किन वर्गों को और कब तक आरक्षण की जरूरत है'। इस सुझाव के आने के साथ जो बहस छिड़ी थी, उस पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को कहना पड़ा था कि 'आरक्षण किसी भी सूरत में समाप्त नहीं किया जाएगा'। आरक्षण का यह प्रावधान इसी कड़ी किया लगता है।

वर्तमान में एमबीबीएस की कुल 84,649 सीटें हैं। इनमे ंसे करीब 50 फीसदी सरकारी मेडिकल कॉलेजों की हैं। अर्थात इस निर्णय के बाद ओबीसी के लिए करीब 1713 सीटें बढ़ जाएंगी। आरक्षण का यह लाभ पीजी, बीडीएस, एमडीएस, एमडी और डिप्लोमा के छात्रों को भी मिलेगा। सर्वोच्च न्यायालय के 2007 में आए फैसले के अनुसार एसी को 15 और एसटी को 7.5 प्रतिशत आरक्षण मिल रहा था। ओबीसी इस लाभ बंचित थे। इसलिए सरकार पर लगातार अतिरिक्त आरक्षण देने का दबाव बढ़ रहा था। भाजपा के पिछड़े वर्ग से आने वाले सांसदों ने भी सरकार से यह मांग हाल ही में की थी। साफ है, भाजपा का एक वर्ग इस आरक्षण के समर्थन में था। गोया, योग्यता पर जात–पात को महत्व दे दिया गया। तय है आरक्षण का अंत निकट भविष्य में मुश्किल है ?

हालांकि संविधान में आरक्षण की व्यवस्था की पैरवी करते हुए आरक्षण के जो आधार बनाए गए हैं, उन आधारों की प्रासंगिकता की तार्किक पड़ताल करने में कोई बुराई नहीं थी ? दरअसल समाज में असमानता की खाई पाटने की दृष्टि से सामाजिक आर्थिक और शैक्षिक रूप से पिछड़े हुए लोगों को समान और सशक्त बनाने के लिए सरकारी नौकरियों में आरक्षण के संवैधानिक उपाय किए गए थे। इसी नजरिए से मंडल आयोग की सिफारिशें प्रधानमंत्री विश्वनाथ प्रताप सिंह ने 1990 में लागू की थीं। हालांकि इस पहल में उनकी सरकार बचाने की मानसिकता अंतर्निहित थी। इस समय अयोध्या में मंदिर मुद्दा चरम पर था। देवीलाल के समर्थन वापसी से विश्वनाथ सरकार लड़खड़ा रही थी। इसे साधने के लिए आनन–फानन में धूल खा रही मंडल सिफारिशें लागू कर दी गईं। इनके लागू होने से कालांतर में एक नए तरह की जातिगत विषमता की खाई उत्तरोतर चौड़ी होती चली गई। इसकी जड़ से एक ऐसे अभिजात्य वर्ग का अभ्युदय हुआ, जिसने लाभ के महत्व को एकपक्षीय स्वरूप दे दिया। नतीजतन एक ऐसी 'क्रीमी–लेयर' तैयार हो गई, जो अपनी ही जाति के वंचितों को आरक्षण के दायरे से बाहर रखने का काम कर रही है।

दरअसल संविधान में आरक्षण का प्रबंध इसलिए किया गया था, क्योंकि देश में हरिजन, आदिवासी और दलित ऐसे बड़े जाति समूह थे, जिनके साथ शोषण और अन्याय का सिलसिला शताब्दियों तक जारी रहा। लिहाजा उन्हें सामाजिक स्तर बढ़ाने की छूट देते हुए आरक्षण के उपायों को किसी समय–सीमा में नहीं बांधा गया। किंतु विश्वनाथ प्रताप सिंह ने पिछड़ों को आरक्षण देने के उपाय राजनीतिक स्वार्थ–सिद्ध ी के चलते इसलिए किए, जिससे उनका कार्यकाल कुछ लंबा खिंच जाए। जबकि ये जातियां शासक जातियां रहीं हैं। अनुसूचित जातियों और जनजातियों का टकराव भी इन्हीं जातियों से ज्यादा रहा है। पिछड़ी और जाट जातियों के निर्विवाद नेता रहे चौधरी चरण सिंह न केवल आरक्षण के विरुद्ध थे, बल्कि मंडल आयोग के भी खिलाफ थे। पूरे देश में जाति, बिरादरी और संप्रदाय निरपेक्ष ग्रामीण मतदाताओं को जगरुक व सशक्त बनाते हुए एकजुट करने का काम चरण सिंह ने ही किया था। वे अनुसूचित जातियों और जनजातियों के अलावा अन्य जाति को आरक्षण देने के विरोध थे। उनका मानना था कि 'पिछड़ों को आरक्षण न केवल समाजों में परस्पर ईर्ष्या और विद्वेष को जन्म देगा, बल्कि जातीय भावना का भी पोषण करेगा।' समाजवाद के प्रखर चिंतक डॉ राम मनोहर लोहिया भी केवल दलितों को आरक्षण देने के पक्ष में थे। लोहिया का कहना था, 'यदि जातीय आधार पर देश को बांटते चले जाएंगे तो हम भीतर से दुर्बल होते चले जाएंगे। विकास को जाति पर केंद्रित करने के दीर्घकालिक अर्थ कबिलाई समाज में परिवर्तित होने लग जाएंगे।' बावजूद समाज का कबिलाई रूवरूप विकसित हो रहा है, जो सामाजिक न्याय नहीं,अन्याय का द्योतक है।

कांग्रेस भी आर्थिक आधार पर आरक्षण की पैरवी करती है। मायावती ने तो आर्थिक रूप से पिछड़े सवर्णों को आरक्षण देने का प्रस्ताव विधानसभा से भी पारित करा दिया था। दरअसल संघ के सिद्ध ांत के विचारक एवं प्रचारक रहे दीनदयाल उपाध्याय ने जब 'एकात्म मानवतावाद' का सिद्धांत प्रतिपादित किया तो उसके मूल में ग्राम और ग्रामीण विकास ही सर्वोपरि था। जबकि 'अंत्योदय' की अवधारणा के सूत्र विकास से वंचित अंतिम छोर पर खड़े व्यक्ति तक पहुंचने की कोशिशों से जुड़े थे। मसलन आर्थिक आधार पर समाज के प्रत्येक गरीब व्यक्ति का उत्थान हो, फिर उसकी जाति या धर्म कोई भी हो। यह आवधारणा ग्राम और व्यक्ति के सर्वांगीण विकास से जुड़ी है। भागवत, दीनदयाल के इसी आदर्श को स्थापित करने की नीति के लिए आरक्षण पर पुनर्विचार की बात कर रहे थे। जब आरक्षण का वर्तमान प्रावधान अपने लक्ष्य में एकांगी व अप्रासंगिक होता चला जा रहा है तो आरक्षण संबंधी अनुच्छेदों की समीक्षा में दिक्कत क्यों होनी चाहिए ? दरअसल आर्थिक उदारवाद के बाद पिछले 25–30 सालों में आरक्षण और त्रिस्तरीय पंचायती राज व्यवस्था का सबसे ज्यादा किन्हीं जाति समूहों को लाभ मिला है, तो वे चंद पिछड़ी जातियां ही हैं। इनका नाटकीय ढंग से राजनीतिक, आर्थिक और शैक्षिक सशक्तीकरण हुआ है।

कमोवेश इसी परिप्रेक्ष्य में 18 मार्च 2015 को आए सर्वोच्च न्यायालय के एक फैसले में सवाल उठाया गया था। कि 'पिछड़े वर्ग की सूची में लाभार्थी समुदायों की संख्या जरूर बढ़ी, किंतु किसी जाति को उससे बाहर नहीं किया गया ? क्या सूची में शामिल समुदायों में से कोई भी समुदाय पिछड़ेपन से इन 30 सालों में बाहर नहीं आ सका ? यदि ऐसा है तो पिछड़ा आरक्षण शुरू होने से अब तक देश में हुई प्रगति के बारे में हम क्या कहें ?

शेष पृष्ठ संख्या 9 पर...

सड़क दुर्घटना में मारे गये मृतकों को श्रृद्धांजलि देने के निमित्त रक्तदान शिविर का हुआ आयोजन

जयपुर (प्रमोद कुमार बंसल)।
पिछले दिनों टीम रक्तदान द्वारा जीवन धारा ब्लड सेंटर कोटपूतली में सड़क दुर्घटना में मृतकों को श्रद्धांजलि के उपलक्ष में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें कुल 24 रक्तदाताओं ने स्वैच्छिक रक्तदान किया।

रक्तदान शिविर में मुख्य अतिथि धर्मपाल गुर्जर परिवहन उपनिरीक्षक कोटपूतली व कार्यक्रम की अध्यक्षता एडवोकेट श्री अशोक कुमार बंसल चेयरमैन हंस ग्रुप ऑफ एजुकेशन ने की। शिविर में विजय कुमावत ने अपने जन्मदिन पर 11 वीं बार रक्तदान किया व 8 युवाओं ने पहली बार रक्तदान किया व कुल 29 युवाओं ने रजिस्ट्रेशन करवाया।

शिविर में कुलदीप सोनी 45 वर्ष से ज्यादा उम्र के व कुलदीप 18 वर्ष से 3 दिन ज्यादा उम्र के रक्तदान किया। सभी रक्त दाताओं को स्मृति चिन्ह, प्रस्तुति पत्र व माला पहनाकर सम्मानित किया गया। टीम रक्तदान द्वारा सभी रक्तदाता अगंतुओ और अतिथि को धन्यवाद दिया गया। इसमें भाजपा युवा नेता शशि मित्तल उपाध्यक्ष भाजपा नगर मंडल कोटपुतली, बालकृष्ण सैनी नगर मंडल महामंत्री, रवि यादव पूर्व छात्रसंघ अध्यक्ष, अभिषेक चोधरी, सुमित कुमावत, एडवोकेट राजकुमार शर्मा, राजपाल कसाना, कुलदीप, विनोद, सोनू, नीरज, श्याम, पंकज शेरावत, नीरज, आकाश, अनिल, मोहित, विजय, संकल्प, आकाश, रोहित अविनाश, हिमांशु, बलवीर सैनी, नरेंद्र आदि उपस्थित थे।

मुकुन्द मिश्रा के अध्यक्ष बनने के बाद बढ़ा है व्यापारियों का उत्पीड़न-संजीव खण्डेलवाल

गोवर्धन (राहुल मोहन शर्मा)।
पिछले दिनों उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार मंडल मथुरा जिले के संगठन में मुकुंद मिश्रा के प्रदेश अध्यक्ष बनने के बाद विघटन का दौर शुरु हो गया। संगठन कार्यकर्ता एक दूसरे पर आरोप लगाकर संगठन से इस्तीफा दे रहे हैं। शुक्रवार को संयुक्त जिला महामंत्री सहित सात पदाधिकारियों ने संगठन को मेल पर इस्तीफा भेज कर अपने आप को संगठन से अलग कर लिया।

शुक्रवार को उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार मंडल मथुरा जिले के संयुक्त जिला महामंत्री संजीव खंडेलवाल ने गोवर्धन स्थित व्यापार मंडल कार्यालय पर व्यापारी मंडल से जुड़े कार्यकर्ताओ की बैठक बुलाई। बैठक में मुकुंद मिश्रा के संगठन से जुड़े संयुक्त जिला महामंत्री संजीव खंडेलवाल, जिला मंत्री राजकुमार गोयल, जिला संगठन मंत्री ठा. लक्ष्मण सिंह, जिला कार्यकारिणी सदस्य गिरधर शर्मा, पूर्व महामंत्री सुनील पाठक, उपाध्यक्ष केशव मुखिया, वरिष्ठ उपाध्यक्ष लक्ष्मीकांत खंडेलवाल, संरक्षक

चौधरी गोविंद सिंह, उपाध्यक्ष डॉ मुकेश सैनी ने संगठन पर निजी स्वार्थ और व्यापारियों की नीति से परे कार्य करने के आरोप लगाते हुए संगठन से इस्तीफा दे दिया है।

संजीव खंडेलवाल ने बताया कि उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार मंडल में मुकुंद मिश्रा के अध्यक्ष बनने के बाद कार्यकर्ताओं ने निजी स्वार्थ में कार्य करना शुरु कर दिया है, न कोई कार्यशैली है न ही तरीका, मनमानी का दौर चल रहा है, व्यापार संगठन के साथ कार्य करने में घुटन महसूस हो रही है।

व्यापार मण्डल का कार्य व्यापारियों की समस्याओं को ध्यान में रखकर उनका निस्तारण करने के लिए है जबकि गोवर्धन में उल्टा व्यापारियों का उत्पीड़न हो रहा है, जो कि अब बर्दाश्त के बाहर होता जा रहा है। कई बार प्रान्तीय पदाधिकारियों से इसकी शिकायत भी कर चुके है, परन्तु वरिष्ठ पदाधिकारियों का इस पर ध्यान नहीं है और शिकायत करने और लीपापोती में लग जाते हैं।

व्यापारी हितों को देखते हुए उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार संगठन से एक साथ नौ पदाधिकारियों का इस्तीफा देना गोवर्धन के व्यापार संघटनों में प्रश्नचिन्ह लगाता है।

आगामी चुनावों पर चर्चा के लिए भीम आर्मी की जिला स्तरीय बैठक का हुआ आयोजन

सिरोही (प्रमोद कुमार)।

पिछले दिनों आजाद समाज पार्टी, भीम आर्मी जिला सिरोही की बैठक होटल दरबार में प्रदेश प्रभारी रईस अहमद मलिक के नेतृत्व में आयोजित की गई। प्रभारी ने संबोधित करते हुए कहा की आजाद समाज पार्टी राजस्थान में मजबूती के साथ खड़ा है और आगामी पंचायतीराज चुनाव में हर सीट पर प्रत्याशी उतारेगी।

वहीं कांग्रेस बीजेपी सरकारों का विरोध करते हुए वर्तमान महंगाई बेरोजगारी पर कटाक्ष करते हुए कहा की आज देश प्रदेश में हालत बहुत खराब है। आम आदमी का जीना मुश्किल हो गया। आम आदमी को जागना पड़ेगा और अपने हक के लिए लड़ना पड़ेगा।

उन्होंने प्रदेश में सत्ता कायम करने के लिए प्रेरित किया वहीं प्रदेश सचिव मोतीलाल हीरागर ने कहा की भीम आर्मी आज हर अत्याचार और पीड़ित वर्ग के लिए मजबूती से लड़ती है और पीड़ित पक्ष को न्याय दिलाने में हर संभव मदद के लिए तैयार है। संभाग सचिव सुनील भाटी ने कहा की भाई चंद्रशेखर के नेतृत्व में हमने नया विकल्प तैयार किया है और सरकार बनाएंगे। कार्यक्रम का संचालन जिला अध्यक्ष प्रमोद मेघवाल ने किया।

इस मौके पर कार्यकारिणी का विस्तार करते हुए भीम आर्मी सिरोही तहसील अध्यक्ष छगन बामणिया, रेवदर मुकेश मकावल, पिंडवाड़ा उपाध्यक्ष पुखराज मीणा, जिला संगठन मंत्री भरत रेवदर, आजाद समाज पार्टी जिला अध्यक्ष अंबालाल बागसीन, उपाध्यक्ष देशाराम हीरागर, सचिव मोहमद फकीर, सहलाकार विशाल हीरागर, मंत्री प्रकाश खांबल, मिडिया प्रभारी राजू , सिरोही विधानसभा उपाध्यक्ष दूदाराम, अध्यक्ष भवर कुमार, महासचिव जीतू पाडीव, सचिव कमलेश कुमार, पिंडवाड़ा अध्यक्ष जावेद खान, सह प्रभारी मुश्ताक खान को बनाया गया।

इस मौके पर नगर अध्यक्ष लक्की डांगी, शिवगंज तहसील अध्यक्ष ललित राज, प्रकाश कुमार मोहसिन खान, थानाराम, छगन सिसोदिया, दूदाराम सहित सैकड़ों कार्यकर्ता मौजूद रहे।

भारत-चीन सीमा विवाद पर कोर कमाण्डर स्तर पर बातचीत, हो सकता है अहम फैसला

नई दिल्ली (नदीम अहमद)।

पिछले दिनों भारत और चीन के बीच चल रहे सीमा विवाद को समाप्त करने के लिए आज एक बार फिर दोनो देशों के कमांडर स्तर की वार्ताओं का दौर जारी है।

इसी कड़ी में दोनों देशों के बीच 12वें दौर की कमांडर स्तर की बातचीत हो रही है। ये बातचीत वास्तविक नियंत्रण रेखा के चीनी हिस्से मोल्डो में हो रही है।

सूत्रों के अनुसार भारत और चीन के बीच हॉट स्प्रिंग और गोगरा हाइट्स एरिया से सैनिकों की वापसी पर चर्चा होगी। इससे पहले दोनों देशों के बीच 11वें दौर की वार्ता नौ अप्रैल को एलएसी के भारतीय पक्ष में आने वाले चुशुल में हुई थी। उल्लेखनीय है कि दोनों देश पैंगोंग झील के उत्तरी और दक्षिणी किनारों से अपने–अपने सैनिकों और हथियारों को हटाने की प्रक्रिया पूरी कर चुके हैं। लेकिन टकराव वाली बाकी जगहों पर अभी सैनिकों को वापस ले जाने की शुरुआत अभी तक नहीं हो पाई है।

दोनों के बीच पिछले साल मई से पूर्वी लद्दाख में कुछ स्थानों को लेकर सैन्य गतिरोध की स्थिति बनी हुई है।

सदस्यता हेतु फार्म

मैं/हम एनसीआर समाचार की सदस्यता लेने के इच्छुक है।

सदस्यता के प्रकार	देय राशि	निशान लगायें
संरक्षक सदस्य	21000/- रु.	
आजीवन सदस्य	11000/- रु.	
पंचवर्षीय सदस्य	2100/- रु.	
दो वर्षीय सदस्य	1100/- रु.	
एक वर्षीय सदस्य	500/- रु.	

समाचार पत्र मंगवाने का पता
नाम...
पता...
फोन...
ई-मेल...

आप समाचार पत्र के सदस्य बनने हेतु शुल्क का भुगतान नकद, चैक या डिमाण्ड ड्राफ्ट द्वारा हमारे कार्यालय में जमा करवा सकते हैं।

कार्यालय : जी-12/276, संगम विहार, नई दिल्ली-110062
मोबाइल न.: 8888883968, 9811111715
वैबसाईट : www.ncrsamacharlive.in

हास्य-व्यंग्य

नवेन्दु उन्मेष

बदलाव का प्रतीक है कोरोना

हम जमाने से सुनते आये है कि दुनियां हमेशा से बदलती रही है। अगर दुनिया नहीं बदले तो आदमी आगे नहीं बढ़ता है। दुनियां बदलती है तो आदमी भी बदलता है। दुनिया के बदलने से प्रगति की भी लहर आती है। इसी लिए मेरा मानना है कि कोरोना भी बदलाव का ही दूसरा रूप है। अब तक आपने कोई ऐसी बीमारी नहीं सुनी या देखी होगी जो सर्वधर्म संभाव का प्रतीक हो। जिसमें वसुधैव कुटुम्बकम की भावना हो। जिसमें उंच–नीच का भेद हो। जिसमें जाति–पाति का भेद हो। कोरोना ही ऐसा वायरस है जो हर जगह जाता है। बिना किसी भेदभाव के एक–दूसरे से गले मिलता है। अस्पताल में जाता है, थाने में जाता है, अदालत में जाता है, सरकारी कार्यालय में जाता है, निजी कार्यालय में जाता है, बाजार में जाता है, श्मशान में जाता है, स्कूल में जाता है, पार्क में जाता है, वकालतखाने में जाता है। कहा जा सकता है कि कहां–कहां नहीं जाता है। इतिश्री होने का नाम नहीं लेता। कहा भी गया है कोई लाख करे चतुराई, कोरोना से बच नहीं पाया रे भाई। जो बच गया वह खुद को एक वीर योद्धा की तरह ऐसे प्रस्तुत करता है मानों कुरुक्षेत्र के मैदान से जंग जीतकर आ रहा हो।

लोग पुलिस और अदालत से डरते हैं। लेकिन कोरोना इतना निडर है कि वहां भी पहुंच जाता है। उसे न तो पुलिस का डर है और न कानून का। कोरोना को यातायात का भी डर नहीं है। रेल गाड़ी और हवाई जहाज में चढ़कर कोरोना इधर–उधर घूम आता है।

आपने कोई ऐसी बीमारी या वायरस का नाम नहीं सुना होगा जो बाजार बंद कराता हो, जो कार्यालय बंद कराता हो, स्कूल और कालेज बंद करता हो, लोगों के सैर सपाटे बंद करता हो, उद्योग–धंधे बंद करता हो, प्रेमी को प्रेमिका से दूर करता हो, शादी–विवाह करने और कराने में भी बाधक हो, कर्फ्यू और लाकडाउन लगवाता हो। बिना वजह लोगों को पुलिस से पिटवाता हो। घर से निकलने के लिए भी इ पास बनवाने के लिए बाध्य करता हो। आदमी को आदमी से दूर भागने के लिए बाध्य करता हो। बच्चों को बच्चों से नहीं मिलने के लिए बाध्य करता हो।

यहां तक कि परिजनों की मौत पर भी शोक व्यक्त करने से भी उन्हें दूर करता हो। महिलाओं का ब्यूटी पार्लर जाना बंद कराता हो। गोलगप्पे खाने पर रोक लगाता हो।

मलेरिया, टीबी, कैंसर, रक्तचाप, एड्स इत्यादि बीमारी जो पहले बाजार में इठलाकर चलते थे वे भी अब दुम दबाकर भाग चुके हैं। उन्हें भी अब कोरोना से ईर्ष्या होने लगी है। उन्हें लगने लगा है कि अब बाजार में उनका नाम लेने वाला भी कोई नहीं बचा है। वह यह सोच रही हैं कि अगर कोरोना ज्यादा दिनों तक दुनिया में ठहर गया तो लोग उन्हें भूल जायेंगे। यही सोचकर इन बीमारियों ने एक बैठक बुलाई। निर्णय किया कि उनका दल अस्पतालों और दवा दुकानों का जायजा लेकर पता लगायेगा कि कोई उनका नाम लेने वाला भी बचा है या नहीं। इस बीमारियों का दल जब बाजार में निकला तो देखकर आश्चर्यचकित रह गया कि अस्पताल से लेकर दवा की दुकानों तक में कोरोना की ही चर्चा है। दल ने यह भी देखा कि पहले कई अस्पतालों में उन बीमारियों के स्पेशलिस्ट डाक्टरों के बड़े–बड़े बोर्ड लगे हुए मिलते थे लेकिन अब वे साइन बोर्ड गायब हो गये है। यहां तक कि ऐसे स्पेशलिस्ट डाक्टरों की दुकान पर ताला भी लटका हुआ है। पूछने पर पता चला कि डाक्टर साहब घर पर कोरोना के डर से बैठे हुए है। इन बीमारियों के जो कुछ बहुत मरीज बचे हुए हैं वे झोला छाप डाक्टरों के भरोसे अपने अस्तित्व को बचाये हुए हैं।

बीमारियों के दल को यह जानकार प्रसन्नता हुई कि चलो कम से कम झोला छाप डाक्टर तो मेरा नाम ले रहे हैं। अपनी पर्ची में मेरे नाम की माला जप रहे हैं। एक झोला छाप डाक्टर को अपनी क्लिनिक में उन्होंने मरीजों को कहते सुना कि अब तुम्हें किसी डाक्टर के पास नहीं जाना है। कोरोना काल ने तो हमें भी कैंसर, एड्स तथा अन्य बड़ी बीमारियों का स्पेशलिस्ट बना दिया है। इस दौरान जितने भी मरीज आये उन सभी का मैंने इलाज किया। मरीजों को स्पेशलिस्ट धोखा दे सकते हैं लेकिन मैंने तो किसी को धोखा नहीं दिया। प्रत्येक मुसीबत पर हम मरीजों के साथ खड़े रहे।

चिकित्सा शिक्षा में आरक्षण के मायने

संख्या 8 का शेष...

दरअसल राजनीति का खेल ही ऐसा है कि आरक्षण का लाभ आर्थिक संपन्नता और सामाजिक वर्चस्व प्राप्त कर चुके लोग भी इसके लाभ से वंचित होना नहीं चाहते। सामाजिक न्याय की राजनीति के बहाने प्रभुत्व में आए मुलायम और लालू यादव जैसे प्रभावशाली नेता भी इन समुदाय या व्यक्तियों को आरक्षण के दायरे से बाहर करने का प्रश्न कभी नहीं उठाते ? अलबत्ता उनसे भी बीस पड़ने वाले समुदायों को आरक्षण के दायरे में लाने की कवायद करते हैं। यह स्थिति आरक्षण से वंचित समुदायों के सशक्तीकरण का जरिया बनने की बजाय, आरक्षित सूची में दर्ज शक्तिशाली लोगों के लिए लाभ हड़पने का माध्ययम बन गई है।

गोया, आरक्षण के आर्थिक परि प्रेक्ष्य में कुछ ऐसे नए मापदंड तलाशने की जरूरत है, जो आरक्षण को सिद्धांतनिष्ठ समरूप दिशा देने का काम करे। भारतीय समाज के हिंदुओं में पिछड़ेपन का एक कारक निसंदेह जाति रही है। लेकिन आजादी के बाद देश का जो बहुआयामी विकास हुआ है, उसके चलते पिछड़ी जातियां मुख्यधारा में आकर सक्षम भी हुई हैं। इसलिए मौजूदा परिदृश्य में पिछड़ेपन का आधार एकमात्र जाति का निम्न या पिछड़ा होना नहीं रह गया है। लोक–कल्याण व बढ़ते अवसरों के चलते केवल अतीत में हुए अन्याय को पिछड़ने का आधार नहीं माना जा सकता ? अतएव वक्त का तकाजा था कि आरक्षण को नई कसौटियों पर कसा जाता ? वर्तमान समय में किस समुदाय विशेष की स्थिति कैसी है, इसकी सुनिश्चता पुराने आंकड़ों के वनस्वित नए प्रमाणिक सर्वेक्षण कराकर किया जाता। इस लिहाज से सर्वोच्च न्यायालय का किन्नरों को आरक्षण का लाभ देने का फैसला अहम् है। इस निर्णय की मिसाल पेश करते हुए न्यायालय ने दलील दी थी कि 'ऐसे वंचित समूहों की पहचान की जा सकती है, जो वास्तव में विशेष अवसर की सुविधा के हकदार हैं, परंतु उन्हें यह अधिकार नहीं मिल रहा है। 'ऐसे ही समावेशी उपाय खोज कर आरक्षण सुविधा को प्रासंगिक और वंचितों के सर्वांगीण विकास का आधार बनाया जाए तो इसे मोदी सरकार की मौलिक उपलब्धि माना जा सकता है, किंतु अब लगता है कि केंद्र सरकार ने आरक्षण में बदलाव की संभावनाओं पर विराम लगाकर विरोधियों के समक्ष हथियार डाल दिए हैं। सामाजिक बराबरी का लक्ष्य तो तब पूरा होगा, जब शिक्षा और नौकरी में समानता आए और एक ही लकीर पर खड़े होकर विद्यार्थी प्रतिस्पर्धा की दौड़ लगाएं ?

लोकमंगल

ललित गर्ग

अनाथ बच्चों को पालने की सोच को सच बनाये

भारत को सशक्त ही नहीं, बल्कि संवेदनशील, स्नेहिल एवं आत्मीय बनाने की भी जरूरत है, इस दिशा में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी सरकार ने अनूठी एवं प्रेरक पहल की है। मोदी सरकार के सात साल पूरे होने के मौके पर कोरोना के कारण अनाथ हुए बच्चों का सहारा बनने के लिए कल्याणकारी योजनाओं की घोषणा की। कोरोना वायरस की दूसरी लहर ने इस तरह का कहर ढाया कि कई परिवार उजड़ गए और सैकड़ों बच्चे अनाथ हो गए। किसी ने अपने पिता को खोया तो किसी ने अपनी मां को और किसी ने माता–पिता दोनों खो दिये। कहते है कि जिसका कोई नहीं होता, उसका भगवान होता है। मगर ऐसे जन–कल्याणकारी आयाम के साथ परोपकार, वास्तविक जनसेवा एवं जनता के दुःख–दर्द को बांटने के लिये सरकार तत्पर होती है तो वह भगवान से कम नहीं होती। अनाथ एवं बेसहारा बच्चों को मां मिले, बच्चों को घर जैसा वातावरण मिले, स्नेह की छांह मिले, अपनापन का स्पर्श मिले, इस दृष्टि से बालाश्रम एवं वात्सल्य घरों का निर्माण हो। समस्या काफी बड़ी है लेकिन सरकार एवं समाज अगर चाहे तो इन बच्चों के अभावों, दुःख–दर्दों, पीड़ाओं को दूर कर उन्हें भारत का श्रेष्ठ नागरिक बनाया जा सकता है। केन्द्र सरकार के साथ–साथ प्रांतों की सरकारों ने भी अनाथ बच्चों के पालन–पोषण का जिम्मा लेकर अनुकरणीय उदाहरण प्रस्तुत किया है। महिला एवं बाल विकास मंत्री स्मृति ईरानी ने राज्यों एवं केंद्र शासित प्रदेशों की एक अप्रैल से 25 मई के बीच की रिपोर्ट का हवाला देते हुए इस हफ्ते बताया था कि देशभर में करीब 577 बच्चे कोविड–19 के कारण अनाथ हुए हैं।

अक्सर सरकारें मानवीयता एवं श्रेष्ठता के अवमूल्यन की शिकार रही है, क्योंकि जब सरकारों एवं उनका नेतृत्व करने वाले शीर्ष नेताओं की समझ सही नहीं होती, विचारों में प्रौढ़ता एवं मानवीयता नहीं उतरती, व्यवहार एवं शासन–प्रक्रिया में संवेदनशीलता नहीं प्रकटती, कर्म एवं योजनाएं की दिशाएं लक्ष्य नहीं पकड़ती, सोच में कौशल नहीं होता, तब सरकारों की शासन–व्यवस्था श्रेष्ठताओं के अवमूल्यन की शिकार होती है। ऐसी सरकारें अपंग एवं विक्षिप्त ही कहलाती है। लेकिन हमारी वर्तमान सरकारें ऐसी अपंग एवं विवेकशून्य नहीं है, यह हमारे वक्त का सौभाग्य है। इसी सौभाग्य का सूरज है प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पीएम केयर फंड से अनाथ बच्चों के लिए कई योजनाओं की घोषणा। इस योजना के अन्तर्गत कोरोना महामारी में माता–पिता गंवाने वाले बच्चों को मुफ्त शिक्षा दी जाएगी और उनका हैल्थ बीमा किया जाएगा। 18 वर्ष तक उन्हें मासिक भत्ता दिया जाएगा और 23 वर्ष होने पर पीएम केयर्स फंड से दस लाख रुपए दिए जाएंगे। अनाथ हुए बच्चे के माता–पिता की कमी की तो हम भरपाई नहीं कर पाएंगे लेकिन उनकी सुरक्षा, जीवन–निर्वाह, शिक्षा और चिकित्सा–सहायता करना जहां सरकारों का दायित्व है, वहीं समाज के रूप में हमारा कर्त्तव्य है कि हम बच्चों की देखभाल करें और एक उज्ज्वल भविष्य की आशा का सूरज उद्घाटित करें।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने योजना की आवश्यकता को व्यक्त करते हुए कहा है कि कोरोना महामारी की कठिन परिस्थिति में समाज के तौर पर हमारा कर्तव्य है कि अपने बच्चों की देखभाल करें और उज्ज्वल भविष्य के लिए उनमें उम्मीद जगाएं। ऐसे सभी बच्चे जिनके माता–पिता की कोविड–19 के कारण मौत हो गई है, उन्हें 'पीएम केयर्स फॉर चिल्ड्रेन' योजना के तहत सहयोग दिया जाएगा। मोदी ने कहा कि बच्चे देश का भविष्य हैं। उनकी मदद करने के लिए सरकार हरसंभव कोशिश करेगी। सरकार चाहती है कि वे मजबूत नागरिक बनें और उनका भविष्य उज्ज्वल हो। यद्यपि राज्य सरकारों ने अपने–अपने स्तर पर अनाथ बच्चों की मदद का ऐलान किया है लेकिन इस संबंध में एक राष्ट्रीय नीति और कार्यक्रम की जरूरत थी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा इस दृष्टि से की गयी पहल सराहनीय है। उत्तर प्रदेश सरकार ने अनाथ हुए बच्चों के संरक्षण और उनकी देखभाल के लिए मुख्यमंत्री बाल सेवा नाम से योजना का ऐलान किया है। अनाथ हुई बालिकाओं की शादी के लिए भी उत्तर प्रदेश सरकार एक लाख रुपए उपलब्ध कराएगी। दिल्ली, हरियाणा, असम, कर्नाटक और अन्य राज्य पहले ही योजनाओं का ऐलान कर चुके हैं। कोरोना महामारी ने एक अप्रत्याशित एवं असामान्य स्थिति पैदा कर दी है। सबसे पहला काम तो अनाथ बच्चों की पहचान सुनिश्चित करना है। अनाथ बच्चों की दो श्रेणियां हैं, एक तो यह कि जिनके दोनों पेरेंट्स और गार्जियन कोरोना के कारण चल बसे, दूसरी श्रेणी में वैसे बच्चे हैं जिन्होंने कमाने वाले पेरेंट्स को खोया है। ऐसे बच्चों में बड़ी संख्या में लड़कियां भी हैं। इन्हें तुरन्त राहत पहुंचाना जरूरी है। विडम्बना है कि अक्सर ऐसी योजनाओं का लाभ वास्तविक पीड़ितों को नहीं मिल पाता है, समाज एवं सरकारों में व्याप्त भ्रष्ट एवं लोभी लोग उनमें भ्रष्टाचार करने को तत्पर हो जाते हैं, सरकारों को सख्ती एवं जागरूकता से देखना होगा कि यह योजना भ्रष्टाचार की भेंट न चढ़े। कोरोना की दूसरी लहर के वक्त आक्सिजन एवं दवाओं की जिस तरह कालाबाजारी हुई, वह अमानवीयता की चरम पराकाष्ठा थी, इन त्रासद एवं वीभत्स स्थितियों से समाज को बचाना हमारी प्राथमिकता होना चाहिए, तभी हम अनाथ बच्चों को पालने में समर्थ होंगे।

देश में ऐसे कई संगठन और संस्थान हैं जो निराश्रित बच्चों के लिए काम कर रहे हैं। जो लोग ऐसे बच्चों को दुखों से मुक्ति दिलाने के लिए निस्वार्थ भाव से अपने सुखों को त्याग कर आगे आते हैं, वह उनके जीवन में संजीवनी का काम करते हैं। हर शहर में धनाढ्य लोग या फिर सामाजिक संस्थाएं ऐसे बच्चों की मदद पैसे से कर देगीं लेकिन सबसे बड़ा सवाल यह है कि इन बच्चों को स्नेह कौन देगा? अपनापन एवं पारिवारिकता का अहसास कौन देगा? समाज में अलग–अलग स्वभाव और अलग–अलग प्रवृत्ति के लोग हैं। अब जबकि केन्द्र और राज्य सरकारों ने अनाथ बच्चों को हर तरह से सहायता देने का ऐलान कर दिया तो हो सकता है बच्चों के करीबी या दूरदराज के रिश्तेदार उन्हें गोद लेने के लिए तैयार हो जाए। धन का लोभ बड़ों–बड़ों को बदल देता है। यह देखना समाज का काम होगा कि क्या ऐसे लोग अनाथ हुए बच्चों की भावनात्मक आवश्यकताओं की पूर्ति करते हैं या नहीं? जिला स्तर पर या मंडल स्तर पर ऐसी कमेटियां स्थापित की जानी चाहिए जो इन बच्चों पर निगरानी रख सकें। देश में ऐसे बहुत से अनाथ आश्रम हैं जो ऐसे बच्चों और परित्यक्त महिलाओं को आवास, भोजन, स्वास्थ्य एवं शिक्षा का प्रबंध करती हैं लेकिन वहां यौन शोषण और अन्य आपराधिक घटनाओं की खबरें आती रहती हैं।

हरियाणा के गुरुग्राम में दिव्यांग बच्चों के लिये चलाये जा रहे दीपाश्रम हो या वृंदावन शहर में साध्वी ऋतम्भरा के परमशक्ति पीठ द्वारा संचालित वात्सल्य ग्राम आदि ऐसे सेवा एवं स्नेह के आयाम है, जहां अनाथों को जीवन–रोशनी मिलती है। दीपाश्रम में 16 वर्ष के मानसिक एवं शारीरिक रूप से दिव्यांग विशाल का संरक्षण किया जा रहा है। विशाल को गोद लेने वाले माता–पिता जयपाल एवं जगवंती कोरोना महामारी के कारण अब संसार में नहीं रहे, वह दुबारा अनाथ हो गया था। उसे हरियाणा सरकार ने गोद लेकर अनूठा उदाहरण प्रस्तुत किया है। मुख्यमंत्री मनोहरलाल खटर विशाल से मिलने दीपाश्रम आये एवं अन्य दिव्यांगों से भी वे मिले।

हमें दीपाश्रम एवं वात्सल्य ग्राम जैसे सेवा–आयाम को जगह–जगह स्थापित करना होगा, जहां अनाथ, पीड़ित एवं अभावग्रस्त बच्चों को एक परिवार का परिवेश दिया जा सके। यह भी देखना होगा कि ऐसे बालक–बालिकाओं में हीन भावना व्याप्त न हो। वे अपनी परम्पराओं और संस्कृति में पले–बढ़ें। दीदी मां के नाम से चर्चित साध्वी ऋतम्भरा ने ऐसे बच्चों को गोद लेने और उनकी शिक्षा का प्रबंध करने की घोषणा की है। ऐसे बच्चों को लालची या आपराधिक प्रवृत्ति के करीबी लोगों से बचाने का दायित्व भी समाज को निभाना होगा। यह काम बड़ी सर्तकता से करना होगा कि निराश्रित बच्चे गलत हाथों में न पड़

पृष्ठ छह का शेष....

राशिफल....

लाभ होता रहेगा। ऐसे में इस सप्ताह की शुरुआत में ही, आपको अपने आर्थिक जीवन में एक अच्छा प्लान व योजना बनाकर चलने की सलाह दी जाती है। क्योंकि ऐसा करके ही आप काफी हद तक अपने धन को खर्च करने से बचाने के साथ ही, उसे संचय करने में भी सफल रहेंगे। चूंकि लग्न स्वामी बुध धन भाव से गोचर कर रहा है इसलिए बचत के लिए समय अनुकूल है। इस सप्ताह चूंकि शनि अष्टम भाव से गोचर करेगा आपको अपने निजी जीवन में, पूर्व के किसी राज के उजागर होने से कुछ परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। उपाय– देवी दुर्गा की पूजा करें और दुर्गा चालीसा का पाठ करें।

कर्क राशि परिवार के दूसरे भाव में मंगल के प्रभाव के कारण वो जातक जो अपने घर से दूर रहते हैं, उन्हें फोन या अन्य संवाद माध्यमों से, परिवार के किसी करीबी की खराब सेहत के बारे में जानकारी मिलेगी। जिससे आपका मन बैचौन हो जाएगा। इस समय बृहस्पति और चंद्रमा के अष्टम भाव में गोचर के प्रभाव के कारण समाज के कई माननीय व्यक्तियों से, आपका संवाद कायम हो सकेगा। इस दौरान आप उनके विभिन्न अनुभवों से, अपनी रणनीति और नई योजनाओं का निर्माण करते दिखाई देंगे। उपाय– अच्छे स्वास्थ्य के लिए प्रतिदिन 108 बार ओउम् नमः शिवाय का जाप करें

सिंह राशि इस हफ्ते चूंकि केतु आपके परिवार और घरेलू सुख–सुविधाओं के चौथे घर में स्थित होगा घरेलू या परिवार के इलाज से जुड़े खर्चों में अच्छा खासा इजाफा देखा जाएगा। इस कारण आपको भी आर्थिक संकट का आभास होते हुए, मानसिक तनाव और बेचौनी से दो–चार होना पड़ सकता है। इसलिए खुद को शांत रखने की कोशिश करें, अन्यथा दूसरों की खराब सेहत के साथ–साथ, आपको स्वंय की खराब सेहत पर भी अपना धन खर्च करना होगा। इस सप्ताह कई लोगों के जीवन में कुछ ऐसा घटित हो सकता है, जिसके चलते आप दिल खोलकर पैसों का खर्च करते हुए, दूसरों को पार्टी देने तक का प्लान कर सकते है। जल्दबाजी में करने से बचें, आपको बाद में महसूस होगा कि आपने जरूरत से ज्यादा धन की बर्बादी कर दी है। घर–परिवार में किसी प्रकार का कोई कार्यक्रम आयोजित हो सकता है, उपाय– तांबे के बर्तन में भगवान सूर्य को अर्घ्य दें

कन्या राशि इस सप्ताह अपने प्रति दूसरों के नजरिए को देखकर, आपको ऐसा प्रतीत हो सकता है कि नया सीखने के लिए आप अब काफी उम्र दराज हो चुके हैं। ऐसे में ये सोचकर अपना मुड़ खराब करने की जगह, अपनी काबिलियत पर भरोसा करें और इस बात को न भूले कि आप अपनी रचनात्मक और सक्रिय सोच की वजह से, कुछ भी आसानी से सीख सकते हैं। ऐसे में आपको अपनी सोचने–समझने की शक्ति को, इसी ओर लगाने की सबसे अधिक जरूरत होगी। इस सप्ताह राशि स्वामी बुध ग्रह एकादश भाव में सूर्य के साथ उपस्थित होने से आर्थिक जीवन में, आपके खर्चों में कुछ इजाफा देखा जाएगा। परंतु अच्छी बात इस दौरान ये रहने वाली है कि, ये समय आपकी आमदनी में अच्छी–खासी बढ़ोत्तरी लेकर आएगा। जिससे आपको अपने आर्थिक जीवन में, सही संतुलन बैठने में मदद मिलेगी। उपाय– गणपति अथर्वशीर्ष का पाठ करें।

तुला राशि इस सप्ताह आपके पास कार्यों से अलग, काफी अतिरिक्त समय बच जाएगा, जिसे आप अपने किसी ऐसे शौक को पूरा करने में इस्तेमाल कर सकते हैं, जो आप काफी समय से करना चाहते थे। जैसेरू नाचना, गाना, किसी यात्रा पर जाना, चित्रकारी करना आदि। क्योंकि इन कार्यों को करने से न केवल आपको मजा आएगा, बल्कि आप खुद को तरोताजा भी रख पाएंगे। शनि ग्रह की आपकी राशि पर पूर्ण दृष्टि होने से इस सप्ताह नौकरीपेशा जातकों की आय में वृद्धि होने के योग बन रहे हैं। उपाय– अनाथ आश्रम में अनुदान करें।

वृश्चिक राशि इस सप्ताह आपको शारीरिक और मानसिक तनाव से दो–चार होना पड़ेगा, जिसपर आपको कुछ धन खर्च भी करना पड़ सकता है। परन्तु पैसों के अभाव के कारण, आप किसी से उधार धन भी मांग सकते हैं। राशि स्वामी मंगल ग्रह अपनी राशि पर पूर्ण दृष्टि डालने पर इस सप्ताह के दौरान कोई भी आर्थिक फैसला लेने में आपको पूर्व में जो परेशानी आ रही थी, वो इस समय पूरी तरह से दूर होने की संभावना है। जिसकी मदद से आप निवेश से जुड़ा, कोई भी फैसला लेने में सक्षम होंगे और संभव है कि इससे आपको धन की प्राप्ति भी होगी। इस सप्ताह आपका दूसरों पर अधिक विश्वास करना, आपके मानसिक तनाव में वृद्धि का मुख्य कारण बन सकता है। उपाय– हनुमान चालीसा का पाठ करें।

धनु राशि इस सप्ताह आपको शारीरिक और मानसिक तनाव से दो–चार होना पड़ेगा, जिसपर आपको कुछ धन खर्च भी करना पड़ सकता है। परन्तु पैसों के अभाव के कारण, आप किसी से उधार धन भी मांग सकते हैं। आपकी राशि से द्वितीय भाव में यानी धन भाव में शनि ग्रह के उपस्थित होने से आर्थिक जीवन में इस सप्ताह, आप खुद को नए रोमांचक हालात में पाएंगे। आपकी आर्थिक स्थिति भी पहले से काफी मजबूत होती प्रतीत होगी। इस सप्ताह आपको अपने निजी जीवन में, पूर्व के किसी राज के उजागर होने से कुछ परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। उपाय– भगवान विष्णु को पीला पुष्प अर्पित अवश्य करें।

मकर राशि आपको इस सप्ताह कई महत्वपूर्ण निर्णय लेने होंगे, जिसके चलते आपको तनाव और बेचौनी का सामना करना पड़ सकता है। ऐसे में अपने दिमाग और सोच पर नियंत्रण रखें और यदि किसी निर्णय को लेने में समस्या आ रही है तो, किसी बड़े की मदद लें। हमेशा हमे अपने जीवन की गाड़ी को सही से चलाने के लिए, समय–समय पर धन की जरूरत पड़ती ही है। और इस बात को आप भी भली–भांति समझते है। बावजूद इसके आप अपने धन को संचय करने की ओर अधिक प्रयास नहीं करते, जो आने वाले वक्त में आपके लिए खासा परेशानी उत्पन्न कर सकता है। कुछ लोगों के लिए, परिवार में किसी नए मेहमान का आना जश्न और उल्लास के पल लेकर आएगा। उपाय– शनि मंदिर में चार मुखी दिया जलाकर शनि चालीसा का पाठ अवश्य करके घर लौटे।

कुंभ राशि वो जातक जिन्हे नेत्र संबंधित विकार था, उनके जीवन में ये सप्ताह विशेष शुभ परिणाम लेकर आ रहा है। क्योंकि इस दौरान आप अपनी आँखों की सही और उचित देखभाल करने में सफल तो होंगे ही, साथ ही उसमें सुधार लाने के लिए आप कोई फैसला भी ले सकते हैं। आपकी राशि में बृहस्पति ग्रह की उपस्थिति होने से आप इस सप्ताह राजकोषीय और मौद्रिक लाभ प्रदान करने के लिहाज से, ये हफ्ता सामान्य से उत्तम रहेगा। आपकी राशि के जातकों को, इस दौरान कई अवसरों का उचित उपयोग करने के लिए अपने जीवन साथी के परिवार या पैतृक संपत्ति से कुछ अचानक लाभ मिल सकता है। इस सप्ताह आप परिवार के साथ, किसी धार्मिक यात्रा पर जाने का प्लान कर सकते हैं। उपाय– सवा किलो तिल भगवान शिव मंदिर में अर्पित करें।

मीन राशि इस सप्ताह कई महत्वपूर्ण निर्णय लेने होंगे, जिसके चलते आपको तनाव और बेचौनी का सामना करना पड़ सकता है। ऐसे में अपने दिमाग और सोच पर नियंत्रण रखें और यदि किसी निर्णय को लेने में समस्या आ रही है तो, किसी बड़े की मदद लें। इस सप्ताह मंगल ग्रह की आपकी राशि पर पूर्ण दृष्टि होने से आपको किसी तरह की यात्रा पर जाना होगा। यात्रा आपको थकान और तनाव भी देने वाली साबित हो सकती है। आप अपने प्रयासों से इस यात्रा के दौरान आर्थिक तौर पर अच्छा धन अर्जित करने में सफल रहेंगे। अगर आप पार्टी करने की सोच रहे हैं, तो अपने नजदीकी दोस्तों को बुलाएँ। उपाय– विष्णु सहस्रनाम का पाठ करें और केले के पेड़ में हल्दी मिला जल अर्पित करें।

हिमाचल प्रदेश में भूस्खलन से नौ सैलानियों की मौत पर प्रधानमंत्री मोदी ने दुख व्यक्त किया

पत्थरों के गिरने की वजह से बसतेरी गांव का पुल टूटा

किन्नौर (नूर मोहम्मद)।

पिछले दिनों हिमाचल प्रदेश के किन्नौर जिले का सांगला घाटी में भूस्खलन से दर्दनाक हादसे में 9 सैलानियों की मौत हो गई। ऊँचे पहाड़ से अचानक बड़े बड़े पत्थर भरभराकर नीचे गिरने लगे जिसकी वजह से बसतेरी गाँव का ब्रिज टूट गया। हादसे में मारे गए सभी सैलानी दिल्ली एनसीआर और जयपुर के रहने वाले है। बताया जाता है की ये पर्यटक दिल्ली और जयपुर से हिमाचल घूमने आये थे। इस हादसे पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दुःख जताया है साथ ही मारे गए लोगों के परिजनों को 2 – 2 लाख रूपए और घायलों को 50 – 50 हजार रूपए प्रधानमंत्री रहत कोष से देने का ऐलान किया है।

जब से कोरोना के मामले कम आ रहे तो शहरो में रह रहे लोग अचानक पहाड़ो का रुख कर रहे है। ऐसे में पहाड़ो पर भीड़ देखने को मिल रही थी जिसके वजह से पीएम मोदी ने भी लोगों को अभी सावधानी बरतने की अपील की थी। ऐसे में पहाड़ो पर छुट्टियाँ मनाने जा रहे लोगों की सुरक्षा को लेकर गंभीर सवाल खड़े हो रहे है।

किसान आंदोलन के आठ माह पूरे होने पर किसान संसद की कमान संभाली महिलाओं ने

बार्डर से २०० महिलाओं को जंतर-मंतर पहुंचाया गया

नई दिल्ली (एनसीआर समाचार)।

पिछले दिनों दिल्ली के अलग अलग बॉर्डर पर चल रहे किसान आंदोलन का 8 महीने पूरे हो चुके है और किसान इस दिन को ऐतिहासिक बनाना चाहते है।

किसान आंदोलन को ऐतिहासिक बनाने के दृष्टिगत किसानों ने किसान संसद को महिलाओं के नाम कर दिया। दिल्ली के अलग अलग बॉर्डरों से 200 महिला किसानो को जंतर मंतर लाया जायेगा और जंतर मंतर पर चल रहे किसान संसद को आज महिलाये चलाएंगी।

किसान संसद की तमाम करवाई को महिलाएं अपने तरीके से संचालन करेंगीऔर किसानो आंदोलन में महिलाओं की भूमिका पर भी चर्चा करेंगी इसके पीछे किसानो की रणनीति ये है की किसान आंदोलन को महिलाओं के साथ जोड़ा जाए और महिलाओं की भागीदारी सुनिश्चित की जाए।

इस दौरान दिल्ली पुलिस को सुरक्षा में बदलाव करना पड़ा और महिला पुलिस कर्मियों की भारी तादाद में तैनाती की गयी है। इसके साथ ही महिलाओं के सुरक्षा जाँच के लिए दिल्ली के अलग अलग बॉर्डरों पर भी महिला सुरक्षाकर्मी को तैनात किया गया। पिछले 8 महीने से दिल्ली के अलग अलग बॉर्डरों पर धरने पर बैठे किसान 3 कृषि कानूनों को रद्द करने की मांग कर रहे है

आईपीएस अधिकारियों को दिया प्रधानमंत्री मोदी ने संदेश, अपराध नियंत्रण के लिए बदले कार्यशैली

लिये गये फैसलों में नेशन फर्स्ट का ध्यान रखने का किया आग्रह

नई दिल्ली (नदीम अहमद)।

पिछले दिनों प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को सरदार वल्लभभाई पटेल राष्ट्रीय पुलिस अकादमी के ट्रेनी आईपीएस अधिकारियों को संबोधित किया। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि अफसरों की पढ़ाई देश सेवा में काम आती है।

वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए पीएम मोदी ने ट्रेनी अधिकारियों को सम्बोधित करते हुए कहा कि आप जैसे युवाओं पर बड़ी जिम्मेदारी है। महिला अफसरों की भूमिका भी अहम है।

उन्होंने कहा कि आपको हमेशा ये याद रखना है कि आप एक भारत, श्रेष्ठ भारत के भी ध्वजवाहक हैं, इसलिए आपकी हर गतिविधि में नेशन फर्स्ट, राष्ट्र प्रथम, सदैव प्रथम की भावना झलकनी चाहिए।

उन्होंने कहा कि आपकी सेवाएं देश के अलग–अलग जिलों और शहरों में होगी। आपको एक मंत्र हमेशा याद रखना होगा कि फील्ड में रहते हुए आप जो भी फैसले लें, वो फैसला देशहित और राष्ट्रीय हित में होना चाहिए।

इस मौके पर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय भी मौजूद थे।

गुजरात के कई इलाकों में बिजली गुल 24 घण्टे बिजली देने की खुली पोल

झगड़िया (जलपन कुमार शाह)।

पिछले दिनों झगड़िया में बारिश नहीं, आंधी नहीं, उसके बाद भी चार घंटे से अधिक समय के लिए बिजली गायब रहती है। गुजरात सरकार कहती है कि गुजरात में 24 घंटे बिजली मिलती है लेकिन आदिवासी इलाकों में बिजली नहीं है। जीईबी कर्मचारी ने मेंटेनेंस के नाम पर 8 घंटे बिजली बिल्कुल ठप कर दी।

तालुका में बिजली का कारोबार, जिसमें विजाकचेरी द्वारा झगड़िया भी शामिल है। लोगों का मानना है कि जगड़िया में जनता को परेशान किया जा रहा है।

झघड़िया सब स्टेशन पर मानसून के दौरान बार–बार बिजली गुल होने से झगड़िया सहित कई इलाकों के छोटे गांवों को झघड़िया जीईबी के कुप्रबंधन से परेशान किया जा रहा है। गुजरात सरकार

के चौबीस घंटे बिजली देने वाले वादों की पोल खुलती दिख रही है।

पेगासस जासूसी काण्ड की जांच करवायेगी ममता सरकार

पेगासस काण्ड में चौतरफा केन्द्रीय सरकार को घेरने की कोशिश

नई दिल्ली (नदीम अहमद)।

पिछले दिनों ममता बनर्जी ने बड़ा एलान किया है कि उन्होंने इजराइल स्पाइवेयर पेगासस के जरिए पत्रकारों ,नेताओं ,और अधिकारियों की जासूसी कराने की पड़ताल करने के लिए 2 सदस्यीय जाँच कमिटी का गठन किया है।

यह गठन एक विशेष केबिनेट बैठक में लिया गया है। उसके बाद ममता बनर्जी ने पत्रकारों से बात करते हुए इसका एलान किया है। ममता बनर्जी ने बताया की इस कमेटी में दो पूर्व न्यायाधीश के नेतृत्व में जाँच किया जायेगा।

इस कमिटी को दो सदस्यीय आयोग की अध्यक्षता कलकत्ता उच्च न्यायालय के पूर्व मुख्य न्यायाधीश ज्योतिर्मय भट्टाचार्य करेंगे. और सुप्रीम कोर्ट के पूर्व न्यायधीश एम.बी लोकुर इस कमिटी में शामिल हैं। ममता बनर्जी ने बताया की पश्चिम बंगाल के अंदर मेरे भतीजे अभिषेक बनर्जी और मेरा फोन हैक किया गया है। साथ ही उनके राजनितिक सलाहकार रहे प्रशांत किशोर के फोन को भी हैक किया गया है।

उन्होंने कहा है कि केंद्र सरकार की मंशा में ही खोट है मोदी सरकार जाँच नहीं करवाना चाहती है। इसलिए हमने कमेटी का गठन किया है।

ज्ञात हो कि पेगासस की जासूसी कांड की वजह से इस वक्त मोदी सरकार चौतरफा घिरती नजर आ रही है।

आम आदमी पार्टी ने पूर्वी दिल्ली नगर निगम पर लगाये भ्रष्टाचार के आरोप

चीफ ऑडिटर की रिपोर्ट में मशीनों पर किराये में करोड़ों का घोटाला होने का दावा

नई दिल्ली (नदीम अहमद)।

पिछले दिनों आम आदमी पार्टी ने पूर्वी दिल्ली नगर निगम पर गंभीर आरोप लगाए है। आप का दवा है की पूर्वी दिल्ली नगर निगम में ट्रामल मशीन की खरीद को लेकर गलत तरीके से पैसे का इस्तेमाल किया जा रहा है। आप का कहना है की महज 17.70 लाख रूपए की मशीन में किराये पर ली जाएगी तो 18.36 हजार रूपए प्रति माह किराया दिया जायेगा।

आप ने कहा है की ये नए तरीके का भ्रष्टाचार है। ये आरोप आम आदमी पार्टी के विधायक और प्रवक्ता सौरभ भारद्वाज ने लगाए है। पत्रकारों से बात करते हुए सौरभ भारद्वाज ने कहा है की पूर्वी दिल्ली नगर निगम कूड़े की प्रोसेसिंग करने वाली मशीन किराये पर लेने जा रही है जिस पर भारी मात्रा में पैसा खर्च किया जा रहा है। उन्होंने बताया की अगर एक मशीन एक महीने तक आठ घंटे प्रतिदिन कूड़े की प्रोसेसिंग करती है तो नगर निगम उसे 18. 36 लाख रुपये मासिक किराया देना होगा। निगम 79 मशीनें किराये पर ले रहा है, जिनकी कीमत 80 करोड़ रुपये हुई। इसके लिए नगर निगम अगले दो साल में 348 करोड़ रुपये किराया दे देगा। पहले भी नगर निगमों के चीफ ऑडिटर की रिपोर्ट भ्रष्टाचार की पोल खोल चुकी है। निगमों ने चार करोड़ रुपये कीमत की 23 मशीनों का डेढ़ साल में 26 करोड़ रुपये किराया देकर 22 करोड़ रुपये का भ्रष्टाचार किया था। सौरभ भारद्वाज ने दावा किया कि इस बार नगर निगम से भाजपा जा रही है।

सेल्फी लेने के चक्कर में युवक रानोगंज पुल से गिरा, हालत नाजुक

आये दिन होते रहते है इस तरह के हादसे

शाजापुर (ब्रज कुमार राठौर)। पिछले दिनों शाजापुर के तहसील शुजालपुर समीप बने रानोगंज नेवज नदी के पुल के ऊपर से सेल्फी लेने के चक्कर मे युवक गिरा, हालत नाजुक बताई जा रही है। बताया जा रहा है कि युवक की हालत नाजुक है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार सेल्फी लेते समय युवक के परिजन भी साथ मे थे। युवक ग्राम पाडलिया का रहनेवाला बताया जा रहा है ।

वहां प्रत्यक्षदर्शियो के अनुसार 4 बजे से रानोगंज पुल पर सेल्फी लेने वालों का जमावड़ा लगा रहता है, जिससे रोड़ पर चलते वाहन चालक को भी काफी परेशानियों का सामना भी करना पड़ता है। पुल पर बने डिवाइडर पर बैठ कर लेते नव युवा सेल्फी जिससे आये दिन होते रहते है हादसे।

पूर्वोत्तर राज्यों के बीच सीमा विवाद, असम के मुख्यमंत्री के खिलाफ केस हुआ दर्ज

नई दिल्ली (नदीम अहमद)। पिछले दिनों पूर्वोत्तर के दो राज्य असम–मिजोरम के बीच जारी सीमा विवाद अब एक नया मोड़ लेता दिखाई दे रहा है।

मिजोरम पुलिस ने असम के मुख्यमंत्री हेमंत बिस्वा सरमा के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराया गया है। इस मामले में हेमंत बिस्वा सरमा के 6 शीर्ष पुलिस अधिकारीयों के अलावा 200 अज्ञात पुलिस वालों के खिलाफ मामला दर्ज कराया गया है। दोनों राज्यों के बीच दशकों से सीमा विवाद जारी है। लेकिन इस हफ्ते भड़के विवाद ने नया रूप ले लिया है. सोमवार को इन दोनों जिलों के बीच सीमावर्ती इलाके में हिंसा भड़क गई, जिसमें असम के छह पुलिसकर्मियों की मौत हो गई और कई अन्य घायल हो गए। दोनों पक्षों ने एक दूसरे पर हिंसा भड़काने का आरोप लगाया है। हालांकि, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की दोनों राज्यों के मुख्यमंत्रियों से की गई अपील के बाद अब हिंसा प्रभावित इलाकों में एक असहज शांति बनी हुई है। केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल ने इन क्षेत्रों में अपनी तैनाती बढ़ा दी है, जिसमें असम और मिजोरम के पुलिस बलों के बीच केंद्रीय बलों की पांच कम्पनियों को लगाया गया है।

जमीनी विवाद को लेकर दंबगों द्वारा मार-पीट, युवक गंभीर रूप से घायल

शाहबाद (कृष्णपाल)। पिछले दिनों शाहबाद क्षेत्र के ग्राम हिरौलि निवासी धर्मेंद्र पुत्र राधे श्याम को जमीनी विवाद के कारण लाठी डंडो से गावो के कुछ दबंग लोगो ने बुरी तरह पीटकर जख्मी कर दिया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार धर्मेंद्र के गांव के ही रहने वाले सुनील कुमार के साथ काफी समय से विवाद जमीन को लेकर चल रहा था, धर्मेंद्र और सुनील की कुछ कहा सुनी हो गई जिसके चलते सुनील अपने साथियों कल्लू व राम सिंह को लेकर घात लगाकर पीछे से आकर हमला बोल दिया, जिससे धर्मेंद्र बुरी तरह जखमी हो गया सर में गम्भीर रूप से चोट लग जाने के कारण परिजन शाहबाद सरकारी अस्पताल लेकर गए, जहां उसका इलाज चल रहा है परिजनों ने पुलिस कोतवाली शाहबाद को इसकी सूचना प्रार्थना पत्र के माध्यम से दे दी है।

नर्मदा नदी में पानी नहीं तो वोट नहीं, क्षेत्रीय किसानों द्वारा जन-प्रतिनिधियों का किया गया व्यापक विरोध

विधायक व जिलाध्यक्ष को गांव में जाने से रोका

बागली (नूर मोहम्मद)। पिछले दिनों नर्मदा सिचाई योजना का लाभ नही मिलने से नाराज किसान लगातार विरोध करते हुए। भाजपा बागली मंडल की कार्यसमिति की थी बैठक, मंडल स्तरीय कार्य समिति की बैठक में शामिल होने आए बागली विधायक पहाड़ सिंह कन्नोजे एवं जिला अध्यक्ष राजीव खंडेलवाल को विरोध का सामना करना पड़ा। किसानों द्वारा नर्मदा सिचाई परीयोजना की मांग को लेकर गांव गांव मे जनप्रतिनिधियों का विरोध किया जा रहा है।

बागली क्षेत्र मे नर्मदा सिंचाई योजना के पानी की मांग को लेकर गांव गांव मे मशाल यात्रा निकाल कर जनप्रतिनिधियों का गांव मे प्रवेश पर प्रतिबंध कर नर्मदा का पानी नही तो वोट नही के नारे के साथ खंडवा लोक सभा के उपचुनाव का विरोध किया जा रहा है। इसी कड़ी में चापड़ा के समीप गुराड़िया कला मे मंडल कार्यसमिति की बैठक भाजपा कार्यकर्ताओं ने आयोजित की थी। जिन्हें सुबह से ही किसानों ने रोड़ बंद कर नगर में प्रवेश करने से रोक दिया।

बागली क्षेत्र में इस प्रकार का विरोध पहली बार राजनेताओं को देखने को मिल रहा है। किसानों ने विधायक सहित सभी पदाधिकारियों को नगर में प्रवेश नहीं करने दिया और बैरंग लौटाया।

इस संबंध में क्षेत्रीय विधायक पहाड़ सिंह कन्नौजे, जिला अध्यक्ष राजीव खंडेलवाल एवं अन्य पदाधिकारियों सहित प्रशासनिक अधिकारियों ने किसानों को समझाने की कोशिश की लेकिन किसान अपनी बात पर अड़े रहे।

वहीं बागली विधायक पहाड़ सिंह कन्नौजे ने मीडिया से चर्चा करते हुए बताया कि किसानों की मांग जायज है और मैं किसानों के साथ हूं। मैं उनकी मांग का समर्थन करता हूँ, और जल्द ही मुख्यमंत्री से मिल कर किसोनो की मांग को पूरी करवाऊंगा।

किसान आंदोलन के समर्थन में राहुल गांधी ने चलाया दिल्ली की सड़कों पर ट्रैक्टर, मामला दर्ज

सरकार को किसानों की मांग माननी ही पड़ेगी-राहुल गांधी

नई दिल्ली (नदीम अहमद)। पिछले दिनों संसद के मॉनसून सत्र के दौरान आज राहुल गाँधी संसद भवन तक ट्रैक्टर मार्च करते हुए पहुंचे। उनके साथ कांग्रेस के कई सांसद इस दौरान मौजूद थे।

इस दौरान राहुल गाँधी ने पत्रकारों से बातचीत में केंद्र सरकार पर जमकर हमला बोले और मोदी सरकार को तीन उद्योगपतियों की सरकार बताया। इसके साथ ही राहुल गाँधी ने किसानो के आंदोलन के प्रति अपनी हमदर्दी जताई और कहा कि सरकार जान बूझकर किसानो के मुद्दों पर संसद में चर्चा नहीं कर रही है।

ज्ञात हो कि इससे पहले राहुल गाँधी पंजाब में किसानो के समर्थन में ट्रैक्टर रैली कर चुके है लेकिन तब राहुल गाँधी ने ट्रैक्टर की बगल वाली सीट पर बैठकर रैली मे शामिल हुए थे लेकिन आज राहुल गाँधी खुद ट्रैक्टर चला कर संसद भवन पहुंचे थे। यहां राहुल गाँधी बेहद आक्रमक अंदाज में नजर आये। राहुल गाँधी ने कहा की मोदी सरकार को किसानो की मांग को माननी पड़ेगी।

मॉनसून सत्र में लगातार हो रहे हंगामे के बीच कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी जिस को ट्रैक्टर चलाकर संसद पहुंचे। जिसे बाद पुलिस ने ट्रैक्टर को अपने कब्जे में ले लिया। सूत्रों के अनुसार, राहुल गांधी ने जिस ट्रैक्टर को चलाया था, उसे नई दिल्ली इलाके में एक ट्रक के अंदर छिपाकर लाया गया था। सूत्रों ने बताया कि ट्रक में छिपाकर लाए गए ट्रैक्टर को सबसे पहले एक वीआईपी शख्स के घर पर ले जाया गया। इस पूरे मामले को सुरक्षा में सेंध लगाये जाने की दृष्टि से भी गंभीर माना जा रहा है।

दिल्ली के संसद मार्ग थाना पुलिस ने ट्रैक्टर से कांग्रेस नेता राहुल गांधी समेत अन्य नेताओं के संसद भवन जाने के मामले में सरकारी आदेशों का उल्लंघन करने की धारा में रिपोर्ट दर्ज की है। हालांकि यह रिपोर्ट कुछ अज्ञात लोगों के खिलाफ दर्ज की गई है। वहीं जिस कंटेनर में हरियाणा के सोनीपत से ट्रैक्टर लाया गया था। उसे धौला कुआं के पास पुलिस ने जांच के लिए रोका था, लेकिन कंटेनर चालक के पास कांग्रेस के राज्यसभा के एक सदस्य का लैटरहैड था। इस लैटरहैड पर लिखा हुआ था कि सांसद अपने घर का सामान मगा रहे हैं। बताया जा रहा है कि सांसद का लैटरहैड को देखने के बाद पुलिसकर्मियों ने कंटेनर की ठीक से जांच नहीं किया। हालांकि पुलिस अधिकारियों का कहना है कि लैटरहेड की सत्यता की जांच की जा रही है। चालक के पास जो लैटरहैड था वह फोटोकॉपी था। नई दिल्ली इलाके में किसी भी प्रकार के व्यावसायिक वाहनों का प्रवेश प्रतिबंधित हैं। यदि किसी वाहन को प्रवेश करना है तो उसे यातायात पुलिस से अनुमति लेनी होती है। कंटेनर चालक के पास इस तरह की किसी प्रकार का अनुमति पत्र नहीं था।

स्वामित्व, मुद्रक, प्रकाशक एवं RNI No. DELHIN/2010/37009 संपादक मो. हनीफ द्वारा अरावली प्रिंटर्स-WA30, ओखला इंडस्ट्रियल एरिया, नई दिल्ली से मुद्रित करवाकर, जी-12/276, संगम विहार, नई दिल्ली-62 से प्रकाशित। फोन: 8888883968, 9811111715 किसी भी कानूनी विवाद की स्थिति में निपटारा दिल्ली न्यायालय में ही होगा।